RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6, अंकः224, शुक्रवार, 22 अगस्त 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

दो आपराधिक गुटों में गैंगवार, दो की मौत, कुख्यात बदमाश धनंजय गिरि भी ढेर 03

मुस्लिम महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए हमने आर्थिक मदद 10 से बढ़ाकर... 04

हॉरर से डर लगता था, लेकिन टीम की मदद से आसान हुआ सफरः प्राजक्ता... 07

मोतिहारी में NIA की छापेमारी, अपराधी राहुल मुखिया और पकड़ीदयाल के छेदी सिंह के घर दबिश

बीएनएम@ मोतिहारी

जिले में गुरुवार सुबह राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात अपराधी राहुल मुखिया के आवास पर छापेमारी की। यह छापेमारी गोविन्दगंज थाना क्षेत्र के खजुरिया स्थित उसके पैतृक घर पर की जा रही है। अचानक हुई इस कार्रवाई से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। सूत्रों के अनुसार 15 मार्च 2023 को राहुल मुखिया के करीबी शागिर्द कुणाल सिंह को पुलिस ने हथियार के साथ गिरफ्तार किया था। इस दौरान उसकी निशानदेही पर कुणाल के ही घर से AK-47 रायफल बरामद की गई थी। मामले में पिपराकोठी थाना में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसमें राहुल मुखिया सहित कई अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया था। लंबी सुनवाई के बाद इसी मामले में अपराधी कुणाल सिंह को अदालत ने हाल ही में आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अब इस पूरे प्रकरण की तह तक जाने के लिए NIA की टीम सक्रिय हो गई है। टीम को संदेह है कि इस कांड में आतंकी नेटवर्क या अवैध हथियार आपूर्ति गिरोह से भी संबंध जुड़े हो सकते हैं। इस मामले में हाजीपुर और मुजफ्फरपुर में भी एन आई ए की छापेमारी चल रही है। इसी सिलसिले में आज राहुल मुखिया के घर पर भी छापेमारी की जा रही है। हालांकि, छापेमारी में अब तक क्या बरामदगी हुई है, इसको लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। लेकिन गांव और आसपास के इलाके में भारी संख्या में सुरक्षा बल की तैनाती कर दी गई है, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। इधर वैशाली के हाजीपुर नगर थाना क्षेत्र के डाक बंगला चौक स्थित राजू राय के घर पर एनआईए की टीम ने सुबह-सुबह छापेमारी शुरू की. इस दौरान स्थानीय पुलिस भी मौजूद रही और पूरे इलाके में सन्नाटा पसरा रहा. सूत्रों के अनुसार एके-47 से जुड़े मामले को लेकर छापा मारा जा रहा है. सूत्रों के अनुसार, य ह छापा बीते दिनों मुजफ्फरपुर में एके-47 की बरामदगी से जुड़ा है. एनआईए ने मुजफ्फरपुर में भी पिछले दिनों छापा मारा था. अब राजू राय के घर पर टीम पहुंची है. राजू राय ऑटो गैरेज के मालिक बताए जाते हैं. फिलहाल इस छापेमारी के बारे में एनआईए या पुलिस की ओर से कुछ भी नहीं कहा जा रहा है.

संक्षिप्त समाचार

अंतरिक्ष से भारत आज भी सारे जहां से अच्छा दिखता हैः शुभांशु शुक्ला

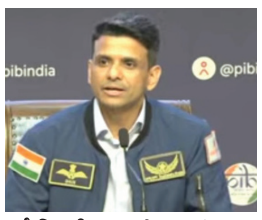

नई दिल्ली । भारतीय अंतरिक्ष यात्री और एक्सिओम 4 मिशन से लौटे ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने गुरुवार को कहा कि अंतरिक्ष से भारत सारे जहां से अच्छा दिखता है। शुभांशु शुक्ला ने राष्ट्रीय मीडिया सेंटर में पत्रकार वार्ता में एक्सिओम-4 मिशन की शुरुआत से लेकर उसके सफल समापन तक के अपने सफ़र के बारे में बताया। इस दौरान केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह और इसरो के अधिकारी भी मौजूद रहे।

राज्यसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

नई दिल्ली । राज्यसभा की कार्यवाही शुक्रवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। उपराष्ट्रपति एवं सभापति की अनुपस्थिति में उपसभापति ने इसकी घोषणा की। इस सत्र में 15 विधेयकों को पारित किया या लौटाया गया। उपसभापति हरिवंश ने इस सत्र में बहुमूल्य संसदीय समय के नुकसान पर चिंता जताई और 'गंभीर आत्ममंथन' की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बताया कि इस सत्र में सदन मात्र 41 घंटे 15 मिनट तक ही चल सका और इसकी उत्पादकता केवल 38.88 प्रतिशत रही।

बिहार के हाजीपुर में एके-47 मामले में एनआईए की छापेमारी

पटना । राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बिहार में वैशाली जिला मुख्यालय के हाजीपुर में बस स्टेंड संचालक राजू राय के घर सुबह 4.30 बजे छापेमारी की है। हाजीपुर नगर थाना क्षेत्र के डाक बंगला चौक स्थित राजू राय के घर पर एनआईए की टीम ने सुबह-सुबह छापेमारी शुरू की। इस दौरान स्थानीय पुलिस भी मौजूद रही और पूरे इलाके में सन्नाटा पसरा रहा। टीम ने राजू राय के घर की गहन तलाशी ली और उनसे पूछताछ की है। एनआईए की यह कार्रवाई मुजफ्फरपुर में 2024 में एके-47 बरामदगी से जुड़े मामले की जांच का हिस्सा है। दिसंबर 2024 में भी एनआईए ने हाजीपुर में दो स्थानों एसडीओ रोड पर एक अधिवक्ता के घर और बागमली में एक अन्य घर पर छापेमारी की थी। उस समय भी छापेमारी एके-47 मामले से संबंधित थी।

बिहार के पहले सिक्स लेन औंटा-सिमरिया ब्रिज का प्रधानमंत्री मोदी आज करेंगे उद्घाटन

■ पुल के निर्माण में लगभग 7 साल का वक्त लगा और 1,871 करोड़ रुपये हुए खर्च

एजेंसी, पटना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 22 अगस्त को बिहार के दौरे पर रहेंगे, जिसमें वे पटना, गया और बेगूसराय का भ्रमण करेंगे। इसी क्रम में वे बेगूसराय में गंगा नदी पर बने औंटा-सिमरिया 6 लेन पुल का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री के आगमन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए एनटीपीसी से औंटा तक के मार्ग को 'रेड ज़ोन' घोषित किया गया है। ट्रैफिक को सुचारू बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने विशेष वैकल्पिक मार्ग तय किए हैं। पटना-मोकामा से बेगूसराय आने वाले वाहन के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किया गया है, जिसमें औंटा-हाथीदह-लखीसराय-मुंगेर-साहेबपुर कमाल-बेगूसराय वहीं, बेगूसराय से पटना जाने वाले वाहन के लिए वैकल्पिक मार्ग भी निर्धारित किया गया है, जिसमें जीरोमाइल-तेघड़ा -बछवाड़ा-दलसिंहसराय-मुसरीघरारी-पटना है। प्रधानमंत्री की सुरक्षा को देखते हुए

पटना एयरपोर्ट और कार्यक्रम स्थलों के पांच किलोमीटर के दायरे को 'टेंपररी रेड ज़ोन' घोषित किया गया है। इस क्षेत्र में ड्रोन, हॉट एयर बैलून, पारा मोटर, पारा ग्लाइडिंग, पावर हैंड ग्लाइडिंग आदि उड़ाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। पुलिस मुख्यालय ने इस बाबत सख़्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आदेश का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। गंगा पर बना भव्य औंटा-सिमरिया 6 लेन पुल का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 22 अगस्त को करने वाले हैं। यह बिहार का पहला गंगा नदी पर सिक्स लेन पुल है। पुल के निर्माण में लगभग 7 साल का वक्त लगा और 1,871 करोड़ रुपये खर्च हुए है।

खास बात यह है कि इस पुल का निर्माण कार्य नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में शुरू होकर पूरा हुआ। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के मुताबिक सिमरिया पुल उत्तर और दक्षिण बिहार को जोड़ने वाला अहम लिंक है। गंगा नदी पर बना यह आधुनिक पुल कुल 8.15 किलोमीटर लंबा है, जिसमें 1.865 किलोमीटर मुख्य पुल और लगभग 6.285 किलोमीटर अप्रोच रोड शामिल है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के मुताबिक पुल को एक्स्ट्रा-डोसेड तकनीक से तैयार किया गया है। यह न केवल मजबूत संरचना है बल्कि आधुनिक इंजीनियरिंग की मिसाल है।

बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन द्वारा बुधवार को औंटा-सिमरिया सिक्स लेन केबल ब्रिज का निरीक्षण किया गया। इस दौरान मंत्री नितिन नवीन ने कहा कि यह पुल पूर्वोत्तर राज्यों तक संपर्क को और मजबूत करेगा जिससे उद्योग एवं व्यापार को विशेष लाभ मिलेगा। नितिन नवीन ने कहा कि यह सिक्स लेन महासेतु मोकामा के औंट घाट और बेगूसराय के सिमरिया को जोड़ता है। बेगूसराय के सांसद व केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बताया कि उनके लोकसभा क्षेत्र में नरेन्द्र मोदी ने नया एनटीपीसी, नया फर्टिलाइजर, नई रिफायनरी दिया। उसी क्रम में औंटा-सिमरिया पुल को बनवाया गया। बिहार में पहली बार सिक्स लेन पुल बना है और यह बेगूसराय में बना है। ये बिहार के विकास में एक मील का पत्थर साबित होगा। उल्लेखनीय है कि सिमरिया पुल के निर्माण से पहले लोग राजेंद्र पुल के सहारे यात्रा करते थे। 66 साल पहले राजेंद्र पुल का निर्माण 1959 में हुआ था। 1950 में राजेंद्र पुल का निर्माण शुरू हुआ था और तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने पुल का उद्घाटन किया था।

पीएम मोदी आज बंगाल में करेंगे 5,200 करोड़ की कई परियोजनाओं का उद्घाटन

एजेंसी, कोलकाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार (22 अगस्त) को कोलकाता में 5,200 करोड़ की लागत से तैयार विभिन्न मेट्रो और सड़क परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे। इन परियोजनाओं के शुरू हो जाने से महानगर की परिवहन व्यवस्था को नई गति मिलने के साथ-साथ लाखों यात्रियों की सुविधा में भी उल्लेखनीय बढ़ोत्तरी होगी। तय कार्यक्रम के अनुसार प्रधानमंत्री शाम 4.15 बजे तीन नए मेट्रो खंडों को जनता को समर्पित करेंगे और जेसोर रोड से जय हिंद विमानबंदर स्टेशन तक मेट्रो यात्रा कर इसका प्रत्यक्ष अनुभव भी लेंगे। इसके साथ ही वे 7.2 किलोमीटर लंबे कोना एक्सप्रेस-वे की आधारशिला रखेंगे, जिसकी लागत 1,200 करोड़ से अधिक आंकी गई है। यह एक्सप्रेस-वे हावड़ा और कोलकाता के बीच तेज और निर्बाध संपर्क सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाएगा। इसके अलावा कुल 13.62 किलोमीटर लंबाई के इन मेट्रो खंडों में सियालदह से एस्प्लेनेड, नोआपाड़ा से जय हिंद विमानबंदर और हेमंत मुखोपाध्याय से बेलेघाटा के हिस्से शामिल हैं। इनके शुरू होने से कोलकाता के सबसे व्यस्त इलाकों को जोड़ने वाली कड़ी मजबूत होगी और यात्रा समय में बड़ी कमी आएगी। उदाहरणस्वरूप, सियालदह से एस्प्लेनेड तक का सफर जहां पहले करीब 40 मिनट का था, अब मात्र 11 मिनट में पूरा किया जा सकेगा। इसी तरह नोआपाड़ा से सीधे हवाई अड्डे तक मेट्रो सेवा उपलब्ध होने से यात्रियों की सुविधा में बड़ा सुधार होगा, जबकि बेलेघाटा से हेमंत मुखोपाध्याय तक का खंड आईटी हब सेक्टर-5 और आसपास के क्षेत्रों से संपर्क को बेहतर बनाएगा।

लखपति दीदियों की असाधारण उपलब्धियां, ग्रामीण सड़कें, आवास ने लोगों के जीवन में किया सकारात्मक बदलावः शिवराज

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि लखपति दीदियों की असाधारण उपलब्धियां, ग्रामीण सड़कें और आवास ने लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव किया है। शिवराज ने गुरुवार को यहां के पूसा में वृहदकर्मचारी संकल्प सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में हरेक दिन, हर क्षण महत्वपूर्ण है और अपनी जनता की जिंदगी को बेहतर बनाने में सभी अपना-अपना योगदान दें। हमारा काम राष्ट्र निर्माण का, सभी इस भावना से काम करें कि आत्मनिर्भर भारत बनाने में एक ईंट मेरी भी लगेगी। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग, आईसीएआर और ग्रामीण विकास मंत्रालय की देश के विकास में अहम भूमिका है। आज अन्न के भंडार भरे हुए हैं, चुनौतियों का मुकाबला करते हुए हम दृढ़ निश्चय से और आगे बढ़ेंगे। हम सभी कृषि उत्पादों में पूरी मेहनत से किसानों और राज्य सरकारों के साथ मिलकर आत्मनिर्भर हों। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस पर कहा- "सरकार फाइल में नहीं, जनता की लाइफ में दिखना चाहिए", हम इसी दिशा में संकल्पित होकर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा नकली खाद-बीज व कीटनाशक के नाम पर किसान लुटते रहे और हम देखते रहे, अब ऐसा बिल्कुल नहीं होगा, बेइमानों को हम छोड़ेंगे नहीं। शिवराज ने कहा कि प्रधानमंत्री ने जो लक्ष्य हमें दिए हैं, वे हम सब मिलकर पूरा करेंगे।

शराब घोटाले की जांच और गिरफ्तारी आंख में धूल झोंकने का प्रयास : बाबूलाल मरांडी

एजेंसी, रांची

झारखंड के चर्चित शराब घोटाले में आईएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे को जमानत मिलने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी लगातार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर निशाना साध रहे हैं। उन्होंने कहा कि शराब घोटाले की जांच और गिरफ्तारी आंख में धूल झोंकने का प्रयास था, ये आशंका धीरे-धीरे सही साबित हो रही है। मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि शराब नीति की खामियों और संभावित घोटालों के प्रति सचेत करने के लिए आपको (मुख्यमंत्री सोरेन) पहले भी कई पत्र प्रेषित किए गए थे। आपने कोई कार्रवाई नहीं की। इससे स्पष्ट है कि

घोटाला हुआ नहीं बल्कि साजिशन करवाया गया। उन्होंने आगे लिखा कि पहले प्रेषित पत्र और आग्रहों को अपने अनसुना कर दिया। मैं जानता हूं कि आप मेरे आग्रह को फिर से अनसुना कर देंगे बावजूद इसके मैं पुनः सूचित कर रहा हु कि कुछ बड़े अधिकारियों ने बड़ा डील कर जानबूझ कर चार्जशीट समय पर दाखिल नहीं की। उन्हें मालूम था कि चार्जशीट दायर नहीं होने पर जमानत मिल जायेगी। मरांडी ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा कि मिल रही जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ सिंडिकेट से जुड़े बड़े माफियाओं को जेल से बाहर निकालने के लिए पूरा खेल किया गया। ये डील भी बहुत बड़ा है। कहीं बाद में आपको इस बड़े डील की जांच न करानी पड़ जाए। इससे पहले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने एक्स पर पोस्ट में आरोप लगाते हुए कहा था कि तकरीबन 1000 करोड़ रुपये के शराब घोटाले में हेमंत सोरेन के पूर्व सचिव के खिलाफ (भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो) एसीबी ने जानबूझकर 90 दिनों के भीतर चार्जशीट दाखिल नहीं की, जिससे उनकी जमानत का रास्ता आसान हो गया।

ईडी के समन मामले में सीएम की याचिका पर उच्च न्यायालय में हुई सुनवाई

एजेंसी, रांची

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की शिकायत वाद (कंप्लेन केस) पर रांची सिविल कोर्ट के सीजेएम (मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी) की ओर से लिये गए संज्ञान को चुनौती देने वाली मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की याचिका पर उच्च न्यायालय में गुरुवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री के अधिवक्ता ने बहस के लिए समय देने का आग्रह किया गया, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया और अगली सुनवाई के लिए आठ सप्ताह बाद की तिथि निर्धारित की।

मुख्यमंत्री की याचिका पर उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की कोर्ट में सुनवाई हुई। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से अधिवक्ता प्रदीप चंद्रा, दीपांकर रॉय और अधिवक्ता श्रेय मिश्रा ने बहस की। उल्लेखनीय है कि, रांची की सीजेएम कोर्ट ने पिछले वर्ष ईडी की कप्लेन केस पर सुनवाई के दौरान संज्ञान लिया था और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ समन जारी किया था। समन को निरस्त करने के लिए सीएम हेमंत सोरेन ने उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की है।

ईडी की कंप्लेन केस पर सुनवाई करते हुए रांची सीजेएम की कोर्ट ने अपने फैसले में प्रथम द्रष्टया यह माना है कि हेमंत सोरेन ने ईडी के समन का उल्लंघन किया। ईडी ने 19 फरवरी को शिकायतवाद दर्ज कराई थी। ईडी की ओर से दर्ज करवाई गई शिकायतवाद में कहा गया है कि ईडी की ओर से लगातार समन देने के बाद भी हेमंत सोरेन ने उस आदेश का अनुपालन नहीं किया और कई समन का उल्लंघन किया। इसके साथ ही पीएमएलए एक्ट के तहत भी शिकायतवाद दर्ज करवाया गया है। दरअसल, जमीन घोटाले से जुड़े मामले में ईडी ने हेमंत सोरेन को 10 समन जारी किया था। लेकिन हेमंत सोरेन सिर्फ दो समन पर पेश हुए थे। 8 समन पर वह एजेंसी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए थे।

उपराष्ट्रपति उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी ने दाखिल किया नामांकन

▪ सोनिया गांधी, खड़गे समेत 80 विपक्षी नेता बने प्रस्तावक

एजेंसी, नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में विपक्षी महागठबंधन इंडिया ब्लॉक की ओर से सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और गोवा के पहले लोकायुक्त बी. सुदर्शन रेड्डी ने गुरुवार को औपचारिक रूप से नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। उनके नामांकन पत्र पर कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, डीएमके सांसद तिरुचि शिवा और समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता

रामगोपाल यादव समेत करीब 80 सांसदों ने प्रस्तावक के रूप में हस्ताक्षर किए। पूर्व जस्टिस रेड्डी के नामांकन की घोषणा करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि वे भारत के सबसे प्रतिष्ठित और प्रगतिशील न्यायविदों में से एक हैं। उन्होंने दावा किया कि विपक्ष का यह फैसला लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की रक्षा के लिए है। गौरतलब है कि स्वास्थ्य कारणों से जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद से उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति का पद खाली है। इसके बाद सत्ताधारी एनडीए ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया है।

आवारा कुत्तों से जुड़ी एक नई अर्जी पर सुप्रीम कोर्ट का जल्द सुनवाई से इंकार

एजेंसी, नई दिल्ली

नई दिल्ली में आवारा कुत्तों से जुड़ी एक नई अर्जी पर सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल सुनवाई करने से मना कियास है। यह अर्जी एमसीडी (दिल्ली नगर निगम) द्वारा आवारा कुत्तों को सड़कों से हटाने और शेल्टर होम में रखने के लिए जारी किए नोटिफिकेशन के खिलाफ दायर की गई थी। याचिकाकर्ता के वकील ने सुप्रीम कोर्ट से तुरंत सुनवाई की मांग की। उन्होंने दलील दी कि एमसीडी का यह नोटिफिकेशन सुप्रीम कोर्ट के अंतिम फैसले से पहले ही जारी किया गया है, जो न्यायिक प्रक्रिया का उल्लंघन है। वकील का कहना था कि सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच को अभी यह तय करना है कि आवारा कुत्तों को शेल्टर में रखने का दो जजों की बेंच का पुराना आदेश सही है या नहीं। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने मामले पर जल्द सुनवाई की मांग को अस्वीकार किया। 11 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया था। जस्टिस जेबी पारदीवाला और आर. महादेवन की बेंच ने आदेश दिया था कि दिल्ली-एनसीआर के सभी आवारा कुत्तों को सड़कों से उठाकर शेल्टर होम में भेजा जाए और उन्हें वापस सड़कों पर न छोड़ा जाए। कोर्ट ने नगर निगमों को कुत्तों का वैक्सीनेशन करने और शेल्टर बनाने के भी निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

कश्मीर से कन्याकुमारी तक राष्ट्रव्यापी स्वर्वेद संदेश यात्रा में संत प्रवर विज्ञान देव जी महाराज पहुंचे मोतिहारी

बीएनएम@ मोतिहारी

कश्मीर से कन्याकुमारी तक राष्ट्रव्यापी स्वर्वेद संदेश यात्रा के क्रम में सुपूज्य संत प्रवर विज्ञान देव जी महाराज गुरुवार को मोतिहारी पहुंचे। महात्मा गांधी प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में विहंगम योग से जुड़े शिष्यों और भक्तों ने उनका भव्य स्वागत किया। जयघोष और नारों से पूरा परिसर गूंज उठा। संत प्रवर ने ध्वजारोहण व दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने मानव जीवन में अध्यात्म और विहंगम योग की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग से मन एकाग्र होता है और ज्ञान की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। मौके पर उन्होंने ध्यान साधना भी कराई। ज्ञात हो कि सद्गुरु सदाफल देव विहंगम योग संस्थान का 102वां वार्षिकोत्सव आगामी 25-26 नवंबर को वाराणसी के उमरहां स्थित स्वर्वेद महामंदिर प्रांगण में आयोजित होगा। इसमें "समर्पण दीप अध्यात्म महोत्सव" और 25 हजार कुंडीय स्वर्वेद ज्ञान महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा, जिसमें देश-विदेश से लाखों भक्तों की भागीदारी होगी। मोतिहारी आगमन पर संत प्रवर ने शिष्यों व पिपासुओं को इस महोत्सव में सम्मिलित होने का निमंत्रण दिया। इस अवसर पर विहंगम योग संस्थान के प्रमोद सिंह, बिहार प्रदेश युवा अध्यक्ष संजय सिंह, संरक्षक रामचंद्र सिंह, बिहार महा मंत्री ब्रह्म सिंह, पूर्वोत्तर बिहार प्रभारी सचिदानंद सहाय, तिरहुत प्रमंडल मंत्री अरविंद सिंह समेत हजारों भक्त मौजूद रहे। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं के लिए भव्य भंडारे की भी व्यवस्था की गई थी।

पटना में दो लग्जरी कार से 350 लीटर शराब बरामद, दिल्ली और बिहार नंबर की कारों से ला रहे थे खेप

पटना। पटना के फुलवारी शरीफ स्थित वशिष्ठ नगर कॉलोनी में पुलिस ने बुधवार को एक गैराज से शराब जब्त की है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में दो लग्जरी कारों से 350 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद हुई है। जब्त की गई कारों में एक दिल्ली नंबर DL4CNE/7988 की इनोवा है। दूसरी बिहार नंबर BR01ET/8019 की कार है। बरामद शराब की कीमत लगभग 4 लाख रुपए आंकी गई है। फुलवारी शरीफ थाना प्रभारी गुलाम शाहबाज अहमद के अनुसार पुलिस कारों के मालिक की पहचान कर रही है। शराब कहां से लाई गई और किसे सप्लाई की जानी थी, इसकी जांच चल रही है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है। फुलवारी शरीफ थाना प्रभारी गुलाम शाहबाज आलम ने बताया कि हरिणी चक गांव स्थित विशिष्ट कॉलोनी में एक गेराज में दो लग्जरी कार जिसमें एक इनोवा एवं एक अन्य कर लगी थी। किसी व्यक्ति द्वारा यह सूचना दी गई की गैराज में लगी कर में भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब रखी गई है। सूचना मिलने के बाद पुलिस द्वारा एक टीम गठन कर मौके पर सूचना सत्यापन के लिए पुलिस को भेजा गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने दो गाड़ियों को शराब होने के शक पर जब्त कर थाना लाई और जब गाड़ी की डिक्की खोली गई तो दोनों गाड़ियों से कुल मिलाकर 350 लीटर के आसपास अंग्रेजी शराब की बोतल जप्त की गई। पूछताछ के क्रम में उन्होंने बताया कि जब्त किए गए शराब की कीमत 4 लाख से अधिक की हो सकती है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस गैराज के आसपास के सीसीटीवी कैमरा को भी खंगालने में लगी है ताकि यह पता चल सके की गाड़ी कब और किसके द्वारा वाहन लगाई गई है। अब पुलिस या फिर पता लगाने में जुटी है कि जब्त की गई गाड़ियां किसकी है।

माइक्रोफाइनेंस कंपनी के कर्ज से किसान की आत्महत्या का मामला, पालीगंज में सैकड़ों लोगों ने किया प्रदर्शन

पटना। पटना जिले के पालीगंज में माइक्रोफाइनेंस कंपनियों की कथित अवैध वसूली के विरोध में सैकड़ों ग्रामीण महिलाओं ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का मुख्य कारण दुल्हिनबाजार प्रखंड के काब गांव के सियाराम साव की आत्महत्या है। कर्ज और वसूली के दबाव में आकर उन्होंने यह कदम उठाया। विधायक संदीप सौरभ के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में कई मांगें रखी गईं। इनमें मृतक के परिवार को 10 लाख रुपये का मुआवजा, एक लाख रुपए से कम के सभी माइक्रोफाइनेंस लोन की माफी और कंपनियों पर नियंत्रण के लिए नियामक संस्था का गठन शामिल है। साथ ही प्रत्येक पंचायत में सरकारी बैंक की स्थापना और महिलाओं को 2% वार्षिक ब्याज दर पर 2 लाख रुपये तक का कर्ज देने की मांग की गई। प्रदर्शन के बाद प्रतिनिधिमंडल ने अनुमंडल पदाधिकारी और डीएसपी से मुलाकात की। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि काब गांव की घटना में दोषी कंपनी पर मुकदमा दर्ज होगा। अन्य मांगों को सरकार तक पहुंचाया जाएगा। विधायक संदीप सौरभ ने कहा कि बिहार में माइक्रोफाइनेंस कंपनियों की वजह से कई गरीब परिवार आत्महत्या के कगार पर पहुंच गए हैं। एपवा महासचिव मीना तिवारी के अनुसार ग्रामीण महिलाएं कर्ज और ब्याज के चक्र में फंसकर बर्बाद हो रही हैं। प्रदर्शन में माले नेता अनवर हुसैन, सुरेंद्र पासवान, अमरसेन दास, मंगल यादव, मुमताज अंसारी समेत कई लोग शामिल थे।

ससुराल वाले ने हत्या कर शव को छिपाया, परिजन ने 9 दिन बाद ढूंढा शव

हाजीपुर। वैशाली में दहेज के लिए एक विवाहिता की कथित हत्या का मामला सामने आया है। मृतका शिवांगी का शव 9 दिन बाद मुजफ्फरपुर जिले के पारू से बरामद हुआ है। मृतका के पिता प्रशांत कुमार के अनुसार, उनकी बेटी की शादी 12 फरवरी को वैशाली थाना क्षेत्र के नंदलालपुर गांव निवासी परमहंस तिवारी के बेटे शुभम से हुई थी। शादी के बाद से ससुराल वाले दहेज में पैसा और गाड़ी की मांग करते रहे। परिवार ने कई बार उनकी मांगों को पूरा भी किया। 12 अगस्त को पति और ससुराल वालों ने कथित रूप से विवाहिता की हत्या कर शव को छिपा दिया। अगले दिन जब परिजन ससुराल पहुंचे, तब तक सभी आरोपी फरार हो चुके थे। परिजनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस की निष्क्रियता से नाराज होकर परिजनों ने खुद शव की तलाश की।

वैशाली-मोतिहारी में एनआईए रेड, नागालैंड से एके-47 लाकर बेचते थे

हाजीपुर। नागालैंड से AK-47 लाकर बिहार में बेचने के मामले में गुरुवार को NIA ने रेड की है। वैशाली, हाजीपुर और मोतिहारी में ये छापेमारी में छापेमारी हुई। वैशाली में 12 घंटे तक NIA ने राजू राय, राजू सिंह और दशई राय के घर पर दबिश दी। इससे पहले टीम ने दिसंबर 2024 को मुजफ्फरपुर में मुखिया भोला राय के घर छापेमारी की थी। उसके बेटे देवमुनि ने पूछताछ में बताया है कि '2 दिनों के लिए AK-47 हाजीपुर के राजू राय और राजू सिंह के घर पर रखी थी। देवमनी की निशानदेही पर ही आज NIA ने ये रेड की है। NIA ने राजू राय के पूरे घर का तलाशी ली है। छत पर लगे वाटर टैंक समेत घर के अलमारी, गोदरेज, पेटी - बक्से सहित पूरे घर का तलाशी ली। सूत्रों की माने तो अब तक टीम को राजू राय के घर से कोई सामान नहीं मिला है।

पटना नगर निगम कर्मियों का अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू

एजेंसी, पटना

पटना में आज गुरुवार से गंदगी का अंबार लगने वाला है। पटना नगर निगम के कर्मियों आज से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। बारिश के मौसम में यह हड़ताल आम लोगों को बेहाल कर देगा। सड़कों पर कचरा फैल जाएगा, जिससे डेंगू, मलेरिया सहित कई बीमारियां फैलेगी। 11 सूत्री मांगों को लेकर सफाईकर्मी और वॉटर बोर्ड के कर्मी आज प्रदर्शन कर रहे हैं और फिर सीएम हाउस के लिए पैदल मार्च के लिए निकले थे। पुलिस ने उन्हें रास्तें में ही रोक दिया है। जानकारी के अनुसार करीब 4000 कर्मी अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं। इससे नगर निगम की सफाई व्यवस्था ठप हो जाएगी और लोगों को काफी परेशानी होगी।वहीं, मजिस्ट्रेट एमएच खान पहुंचे हैं।

♦ सीएम हाउस जाने से पुलिस ने रोका, महासंघ के प्रधान महासचिव बोले- आश्वासन मिला है; हड़ताल जारी रहेगी

11 मांगों को लेकर हड़तालः पटना नगर निगम चतुर्थवर्गीय कर्मचारी महासंघ के प्रधान महासचिव नन्द किशोर दास ने कहा कि 11 सूत्री मांग को लेकर के 4000 कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर आज से गए हैं। पटना में सफाई व्यवस्था और सफाई का काम नहीं हो रहा है। अपनी मांगों को लेकर हमने मेयर, डिप्टी मेयर, कार्यपालक पदाधिकारी, नगर विकास मंत्री को मांग पत्र सौंपा था। लेकिन अभी तक इन लोगों ने कर्मचारियों की समस्या पर वार्ता नहीं बुलाया और ना ही हड़ताल को रोकने की कोशिश की। इससे समझ सकते हैं कि ये लोग जानबूझकर के कर्मचारियों को हड़ताल में झोंकना चाहते हैं और पटना की 25 लाख जनता को गंदगी में धकेलना चाहते हैं।

एजेंसी पर मनमानी का लगाया आरोपः दैनिक कर्मियों कि सेवा स्थायी, निजीकरण समाप्त, स्थाई बहाली, प्रभारी व्यवस्था समाप्त, पद के अनुरूप वेतनमान, सेवानिवृत और मृत कर्मियों कि बकाया अन्तर्राशी भुगतान, समान काम के समान वेतन भुगतान, निजी एजेंसी के मनमानी पर रोक लगाने सहित अन्य मांगों कि पूर्ति सहित 11 सूत्री मांगों को लेकर सभी कर्मी पटना नगर निगम चतुर्थवर्गीय कर्मचारी महासंघ के बैनर तले आज से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं।

अनंत सिंह सैकड़ों गाड़ियों के काफिले के साथ निकले

एजेंसी, पटना

♦ बाढ़ अनुमंडल में जनसंपर्क, लोगों से मिलकर सुनी समस्या, जन्माष्टमी मेले में होंगे शामिल

मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह ने आज जनसंपर्क कार्यक्रम की शुरुआत की। बाढ़ अनुमंडल में उनके समर्थक जगह-जगह फूल मालाएं लेकर उनका इंतजार कर रहे थे। अनंत सिंह के पहुंचते ही समर्थकों ने छोटे सरकार जिंदाबाद के नारे लगाए। सैकड़ों गाड़ियों का काफिला लेकर चल रहे अनंत सिंह अपनी लैंड क्रूजर से कई जगहों पर उतरे। उन्होंने लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन स्वीकार करते हुए उन्होंने दोबारा मिलने का वादा किया। उनका काफिला बाढ़ अनुमंडल के सबनीमा, एसबीआर कॉलेज, पंडारक और शिवनार होते हुए जलालपुर तक जाएगा। इसके बाद वे मोकामा के वार्ड नंबर 27 में जन्माष्टमी मेले में शामिल होंगे। बता दें कि 7 अगस्त को बाहुबली अनंत सिंह शाम करीब साढ़े 4 बजे पटना की बेऊर जेल से बाहर निकले। 7 महीने बाद वे जेल से बाहर आए। जेल से बाहर निकलते ही अनंत सिंह ने कहा था- 'मैं नीतीश कुमार जी की पार्टी JDU से चुनाव लड़ूंगा। उन्होंने बिहार का बहुत विकास किया है। नीतीश जी अभी 25 साल और रहेंगे।

विदेशी यूट्यूब चैनल से बम बनाना सिख रहे थे छात्र

एजेंसी, पटना

पटना के अंबेडकर छात्रावास में छापेमारी के दौरान बम मिले थे। इस मामले में पकड़े गए छात्रों ने पूछताछ में बताया है कि सभी यूट्यूब से बम बनाना सीखे थे। इसमें इनकी मदद पूर्ववर्ती छात्र कर रहे थे। पकड़े गए छात्रों ने पुलिस को उन छात्रों के बारे में बताया है। जिसके आधार पर कार्रवाई जारी है। सबूत मिलते ही पुलिस उन्हें भी गिरफ्तार कर लेगी। पूर्वी एसपी परिचय कुमार ने बताया कि कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। 4 पकड़े गए हैं। इनकी निशानदेही पर छानबीन चल रही है। सभी विदेशी यूट्यूब चैनल से बम बनाना सीखे थे। पूर्ववर्ती छात्र भी सहायता कर रहे थे। अगर यूट्यूब के लिंक वगैरह मिल जाते हैं, तो उस चैनल के खिलाफ यूट्यूब को पत्र लिखा जाएगा। ताकि इस तरह के चैनल को ब्लॉक कराया जा सके। उन्होंने बताया कि किसी को कमरे आवंटित नहीं थे। सभी अवैध तरीके से रह रहे थे। भवन के जर्जर कमरे में बम को छिपा कर के रखा गया था। फिलहाल कैंपस खाली करा के ताला लगा दिया गया है। फिलहाल छात्रों ने पुलिस को बताया है कि पटना यूनिवर्सिटी के छात्र संघ चुनाव में इस बम का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए करने वाले थे। ताकि वर्चस्व और दबदबा बना रहे।

♦ छात्र संघ चुनाव में पटना यूनिवर्सिटी को दहलाने की थी तैयारी, पूर्ववर्ती छात्रों से ली सहायता

मोशन कोचिंग के सभी शिक्षकों ने एक साथ दिया रिजाइन, मैनेजमेंट के खिलाफ सड़क पर उतरे छात्र

एजेंसी, पटना

पटना के मोशन कोचिंग संस्थान में छात्रों ने प्रबंधन के खिलाफ सड़क पर उतरे है। प्रदर्शन में शामिल छात्रों का आरोप है कि कोचिंग के डायरेक्टर ने उनके हक़ की आवाज़ उठाने पर बच्चों के साथ मारपीट की और पुलिस बुलाकर कार्रवाई की धमकी दी। छात्रों का कहना है कि लगातार फैकल्टी बदलने और सभी शिक्षकों के इस्तीफे से उनकी पढ़ाई बर्बाद हो रही है। एडमिशन के समय दिखाए गए शिक्षक अब उपलब्ध नहीं हैं, जिस कारण छात्र रिफंड की मांग कर रहे हैं।

♦ कहा-आवाज उठाने पर डायरेक्टर ने पीटा

मैनेजमेंट के खिलाफ आवाज उठाने पर पीटाः मोशन में पढ़ने वाले सत्यम ने बताया कि यहां के सारे शिक्षकों ने एक साथ में रिजाइन कर दिया है। जब बच्चें मैनेजमेंट के खिलाफ यहां आए तो डायरेक्टर (राहुल) ने तीन चार बच्चों को मारा भी है। हमें कोई और शिक्षक नहीं चाहिए। हमने जिस टीचर से पढ़ने के लिए यहां एडमिशन लिया था और जिनसे पढ़ रहे थे। हमें उन्हीं से पढ़ना हैं नहीं तो हमें रिफंड दे। हम इस कोचिंग में नहीं पढ़ेंगे हम अपने हक की बात कर रहे है तो उसके लिए हमें मारा जा रहा है। डायरेक्टर धमकी दे रहा हैं कि 10 हज़ार में पुलिस बुलाकर लाठीचार्ज करेंगे।

हर महीने बदलते हैं फैकल्टीः अभिनव तिवारी ने बताया कि मैं यहां नीट का तैयारी कर रहा हूं। यहां बार बार फैकल्टी बदल दिया जाता है। हर महीने में फैकल्टी बदलते है और मैनेजमेंट यहां का एकदम बर्बाद हो चुका है। टीचर पैसा के लिए छोड़ कर भाग रहे है। सिलेबस बहुत पीछे चल रहा है और हमेशा बैच मर्ज कर दिया जाता है। बताया कि अनूप तिवारी, दीपक कुमार, प्रेम, नीरज चौहान, राजेश सारे टीचर यहां से चले गए है। टीचर से हमने जब पूछा तो उन्होंने कहा कि हमारा बेहतरी के लिए छोड़ के गए है लेकिन हमारा पढ़ाई इस चक्कर में बर्बाद हो रहा है।

सभी टीचर ने एक साथ दिया रिजाइनः कृष्णा ने बताया कि टीचर सब अचानक रिजाइन कर दिया है और हमको इसके पीछे का कारण नहीं पता चल जाएगा। हमने अपने सारे पैसे भी दे दिए है। एडमिशन के वक्त जो भी टीचर दिखाए गए थे वो यहां हैं ही नहीं।

मुंबई रवाना हुई बिहार राज्य महिला आयोग की टीम, दो दिवसीय कार्यक्रम में होंगी शामिल

एजेंसी, पटना

बिहार राज्य महिला आयोग की टीम आज मुंबई के लिए रवाना हो गई है। राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में वे शामिल होंगी। 22 और 23 अगस्त को राज्य महिला आयोगों के प्रतिनिधियों के साथ दो दिवसीय संवादात्मक बैठक और कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम आयोजित किया गया है। इसमें देश के हर राज्य से महिला आयोग की टीम पहुंचेगी। बिहार से महिला आयोग की अध्यक्ष अप्सरा मिश्रा सहित अन्य तीन सदस्य रश्मि रेखा, श्यामा सिंह और सजल झा शामिल होंगी।

पूरे देश से आएगी टीम, बिहार का हम करेंगे प्रतिनिधित्वः बिहार राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष अप्सरा मिश्रा ने कहा कि दो दिवसीय कार्यक्रम को लेकर हम लोग मुंबई जा रहे हैं। आज हमें वहां पहुंचना है और 22, 23 को प्रोग्राम होगा। यह दो दिवसीय समागम होगा। हमलोग अपने राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस कार्यक्रम में महिला आयोग किस तरह से कम करें, जल्दी करवाई कैसे हो, किन मुद्दों को किस तरह से हैंडल करना है, आदि चीजों को लेकर सीखने सिखाने की बातें होंगी। बिहार राज्य महिला आयोग का 19 सितंबर को वर्षगांठ है। इस अवसर पर मैं राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष को आमंत्रित करूंगी। हमारी कोशिश रहेगी कि अध्यक्ष हमारे कार्यक्रम में शामिल हो इससे बिहार के महिला आयोग के लोगों का भी उत्साह बढ़ेगा।

पूरे देश से जुटेंगे सदस्य

महिलाओं को जिम्मेदारियों के प्रति सशक्त बनाना उद्देश्यः इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के प्रति सशक्त बनाने के लिए बेहतर शिक्षण और सहयोग के लिए एक मंच प्रदान करना है। इस ट्रेनिंग कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों, सुरक्षा, सशक्तिकरण और न्याय तक पहुंच से संबंधित मुद्दों के समाधान में राज्य आयोगों के बीच समन्वय को मज़बूत करना और उनकी प्रभावशीलता को बढ़ाना होगा।

'नीतीश सरकार ने मदरसा बोर्ड का फर्जी जश्न मनाया'

राजद ने लगाया आरोप, कहा- बीजेपी कार्यकर्ताओं ने मदरसा शिक्षकों से मारपीट की

एजेंसी, पटना

राजद ने बिहार सरकार पर मदरसा शिक्षा बोर्ड के शताब्दी समारोह को लेकर बड़ा हमला बोला। राजद के विधान परिषद सदस्य (MLC) मोहम्मद कारिब सोहेब ने पीसी कर आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और एनडीए सरकार ने मदरसा बोर्ड के नाम पर फर्जी जश्न मनाया है। उन्होंने कहा कि बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड का शताब्दी वर्ष 2022 में पूरा हो गया था, लेकिन सरकार ने दो-तीन साल बाद इसका सम्मेलन आयोजित कर जनता को गुमराह करने की कोशिश की है। "यह कार्यक्रम जेडीयू और भाजपा की साजिश के तहत कराया गया है। मुख्यमंत्री ने इस सम्मेलन में हिस्सा लिया, लेकिन 1664 मदरसों की लंबित मांगों पर एक शब्द तक नहीं बोले," सोहेब ने कहा। ाजद नेता ने आरोप लगाया कि सम्मेलन के दौरान कई शिक्षकों ने विरोध भी किया और हंगामा हुआ। उन्होंने कहा कि बीजेपी कार्यकर्ताओं द्वारा मदरसा शिक्षकों के साथ मारपीट की गई। "125 मदरसा शिक्षकों का दो वर्षों से वेतन बंद है, मगर मुख्यमंत्री ने उस पर कोई आश्वासन नहीं दिया। आखिर मदरसा शिक्षकों को उनका हक क्यों नहीं दिया जा रहा है?"

कारीब सोहेब ने आरोप लगाया कि मदरसों के नाम पर जेडीयू ने अपना प्रकोष्ठ बना रखा है और उसके जरिए चंदा वसूला जा रहा है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार मुसलमानों की पहचान मिटाने की कोशिश कर रही है। "वक्फ एक्ट में संशोधन कर मुसलमानों की जमीनों को कब्जाने का रास्ता खोला गया है। मदरसा बोर्ड को जेडीयू का बोर्ड बना दिया गया है और करोड़ों रुपये प्रचार पर खर्च किए जा रहे हैं।" राजद एमएलसी ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि नीतीश कुमार ने मदरसा बोर्ड के लोगों को बुलाकर धोखा दिया है। "मदरसा के अधिकारों को आरएसएस के हवाले करने का काम किया जा रहा है। इसके जिम्मेदार नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू हैं। बिहार की जनता चुनाव में इनको माफ नहीं करेगी।"

सबलपुर पीएचसी में जलजमाव व कचरा, 46 गांवों के मरीजों को परेशानी

एजेंसी, पटना

पटना से महज 15 किलोमीटर दूर फतुहा विधानसभा क्षेत्र के सबलपुर पंचायत स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) परिसर इन दिनों बदहाली का शिकार है। बारिश का पानी जमा होने और निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण अस्पताल परिसर तालाब में तब्दील हो गया है। लगभग 46 गांवों से इलाज के लिए आने वाले मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल के मुख्य द्वार पर कूड़े का अंबार और जलजमाव ने स्थिति को और भी गंभीर बना दिया है, जिससे बीमारियों के फैलने का खतरा लगातार बढ़ रहा है। स्थानीय लोगों और मरीजों में अस्पताल प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के प्रति गहरा रोष व्याप्त है।

♦ अस्पताल परिसर तालाब जैसा, लोग बोले- डेढ़ माह से हालत बदतर

मरीजों की दुर्दशा, स्थानीय लोगों में आक्रोशः स्थानीय निवासी शक्ति पासवान ने बताया कि यह अत्यंत दुखद है कि राजधानी से इतनी करीब होने के बावजूद हमारे सबलपुर पंचायत और फतुहा विधानसभा क्षेत्र में यह दयनीय स्थिति है। उन्होंने कहा कि आप देख सकते हैं इसकी दुर्दशा। सबसे पहले तो इसमें अगला दरवाजा से इन करते हुए आप देख सकते हैं कि सड़क किनारे कितना कूड़ा का अंबार लगा हुआ है। कितने लोग इससे बीमारी के चपेट में आ सकते हैं और आ भी रहे हैं। शक्ति पासवान ने आरोप लगाया कि अस्पताल प्रशासन के प्रभारी पूरी तरह निष्क्रिय और सोए हुए हैं। उन्होंने बताया कि लगभग एक से डेढ़ महीने से अस्पताल का यही हाल है और कई बार आवाज उठाने के बावजूद स्थानीय जनप्रतिनिधि भी इस समस्या पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। पटना सदर के प्रमुख प्रतिनिधि नरेश चंद्र यादव ने बताया कि यह वर्षा का पानी है और सड़क से नीचा होने के कारण पानी जमा हो जाता है। उन्होंने कहा कि हम लोग अपने स्तर से प्रयास कर रहे हैं। मोटर लगा दिया गया है ताकि इससे पानी बाहर निकाल लिया जाए, जिससे लोगों को अस्पताल आने-जाने में सहूलियत हो। उन्होंने यह भी बताया कि अस्पताल के प्रभारी भी अपने स्तर से प्रयास में लगे हुए हैं और जल्द ही पानी निकल जाएगा। अस्पताल के प्रभारी डॉ. विमल कुमार ने भी समस्या स्वीकार करते हुए बताया कि बारिश होने पर हमेशा पानी जमा हो जाता है, जिससे मरीजों को परेशानी होती है। उन्होंने कहा कि हम लोग भी हर संभव प्रयास करते हैं और तुरंत मोटर लगाकर पानी को बाहर निकालने की कोशिश करते हैं। बुधवार को ही मोटर लगाया गया है ताकि पानी बाहर निकाला जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि मुख्य द्वार के रास्ते में जलजमाव के कारण एक ऑप्शनल रास्ता पीछे से तैयार किया गया है। ताकि लोगों को अस्पताल आने-जाने में दिक्कत न हो। प्रभारी डॉ. विमल कुमार ने एक बड़ी राहत भरी खबर भी दी। उन्होंने बताया कि वर्तमान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अपग्रेड किया जाएगा और इसका निर्माण कार्य बहुत जल्द शुरू होगा। उन्होंने कहा कि बरसात खत्म होने के बाद यहां काम शुरू किया जाना है। फिर यहां अस्पताल परिसर में पानी जमने की समस्या ही दूर हो जाएगी और व्यवस्थाएं भी पहले से अधिक होंगी।

संक्षिप्त समाचार

धूमधाम और भक्ति भाव से भगवान श्रीकृष्ण की छठी संपन्न

बीएनएम@ सुगौली। नगर पंचायत क्षेत्र सहित प्रखंड के विभिन्न राधाकृष्ण मंदिरों में गुरुवार को देवकीनंदन भगवान श्रीकृष्ण की छठी बड़े धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। थाना चौक स्थित राधाकृष्ण मंदिर और बाजार ठाकुरबाड़ी समेत सभी मंदिरों को फूल-मालाओं, रंगीन झालरों और आकर्षक रोशनी से सजाया गया था। सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ दर्शन के लिए मंदिरों में उमड़ पड़ी। महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने बाल गोपाल को फल, फूल, मिष्ठान और विविध उपहार अर्पित कर स्वयं तथा समाज के सुख, स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना की। सांध्यकाल में महिलाओं ने सोहर गीत और भजन गाकर भक्तिमय वातावरण तैयार किया। संध्या भजन कार्यक्रम में संगीतज्ञों ने श्रीकृष्ण के भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। मंदिर के मुख्य पुजारी लक्ष्मण दास ने बताया कि इस अवसर पर पवित्र भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें नगर और आसपास के क्षेत्रों से आए सैकड़ों श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण कर भगवान श्रीकृष्ण के आशीर्वाद का लाभ उठा रहे हैं।

कार्यकर्ता सम्मेलन में लोजपा (रामविलास) की होगी ऐतिहासिक भागीदारी : लोहा पांडेय

बीएनएम@ रामगढ़वाः आगामी 24 अगस्त को सुगौली के श्री सरयू प्रसाद नायक कॉलेज में आयोजित होने वाले विधानसभास्तरीय एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में लोजपा (रामविलास) की ऐतिहासिक भागीदारी होगी। यह बातें पार्टी के प्रदेश महासचिव सह सुगौली विधानसभा क्षेत्र के संभावित प्रत्याशी पंकज कुमार पांडेय उर्फ लोहा पांडेय ने गुरुवार को कही। वे रामगढ़वा नवकठवा स्थित लोजपा (आर) जिला कैंप कार्यालय में पार्टी पदाधिकारियों व पंचायत अध्यक्षों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सम्मेलन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए सुगौली व रामगढ़वा प्रखंड के 16-16 पंचायतों और सुगौली नगर पंचायत के 22 वार्डों से अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं व समर्थकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। लोहा पांडेय ने कार्यकर्ताओं से पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के विज़न और संस्थापक स्व. रामविलास पासवान के कार्यों को जन-जन तक पहुँचाने की अपील की। साथ ही उन्होंने कहा कि सम्मेलन में आने-जाने की सभी व्यवस्था पार्टी द्वारा की जा रही है। बैठक की अध्यक्षता वरीय नेता रामजी पासवान ने और संचालन जिला अध्यक्ष राजदेव पासवान ने किया। मौके पर युवा लोजपा आर के जिला अध्यक्ष मनप्रीत पासवान, आलोक श्रीवास्तव, अजीत पासवान, भोला पासवान, बद्री पासवान, योगेश कुशवाहा, छोटन सिंह, प्रकाश मिश्र, राम अनूप तिवारी, सोनू पचौरी, जितेंद्र शर्मा, विकास कुमार सहनी समेत सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दिनेश अग्रवाल ने चौपाल लगा कर सुनी लोगों की समस्याए

बीएनएम@ बगहाः बगहा विधानसभा के भावी प्रत्याशी दिनेश अग्रवाल ने चंदरपुर रतवल पंचायत के रतवल, भटहिया गांव में चौपाल लगा कर लोगों की समस्या सुनी। तथा पतिलार पंचायत और टेसरहिया बथुअरिया पंचायत में जनसभा कर जनता जनार्दन के बीच अपनी उपस्थित दर्ज कर आशीर्वाद लिया। जनता के बीच शिक्षा स्वास्थ्य,कृषि और रोजगार के क्षेत्र में लोगों को लाभ दिलाने से उनकी लोकप्रियता बढ़ती ही जा रही हैं।दिनेश अग्रवाल जनता के बीच जननायक के रूप में अपनी एक अलग पहचान बनाते जा रहे हैं। चौपाल और जनसभा के माध्यम से लोगों को जागरूक कर रहे हैं कि अनेकों बेरोजगार युवकों को प्रशिक्षण देकर रोजगार दिया गया।अनगिनत असाध्य रोगों से पीड़ित मरीजों का देश के बड़े बड़े अस्पतालों में इलाज कराया गया।दिनेश अग्रवाल ने बताया कि पिछले कई वर्षों से यह जन सेवा करता आ रहा हूं और आगे भी करता रहूंगा। जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि अगर आप हमे अपना आशीर्वाद देकर विधानसभा भेजते हैं तो आपको मिलने वाली सरकारी सुविधाओं के बीच जो परेशानियां आ रही हैं उन्हें मैं दूर करुंगा।

दो आपराधिक गुटों में गैंगवार, दो की मौत, कुख्यात बदमाश धनंजय गिरि भी ढेर

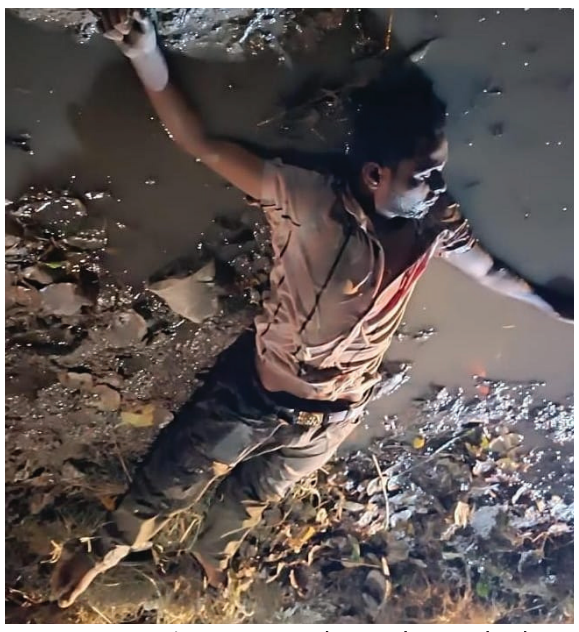

बीएनएम@ मोतिहारी

संग्रामपुर थाना क्षेत्र के दरियापुर मठ के पास गुरुवार देर शाम अपराधियों के बीच हुई जबरदस्त गोलीबारी में दो की मौत हो गई। मृतकों में गिरि गिरोह का सक्रिय सदस्य गुड्डू यादव और कुख्यात इनामी बदमाश धनंजय गिरि शामिल हैं। वारदात से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हरसिद्धि थाना क्षेत्र के भादा गिरि टोला निवासी धनंजय गिरि को कुख्यात अपराधी सनोवर खान ने मुलाकात के बहाने बुलाया था। धनंजय अपने साथी गुड्डु यादव (पिता मोती यादव, निवासी हरसिद्धि) के साथ काले रंग की पल्सर बाइक पर पहुँचा। मिलते ही सनोवर ने दोनों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। गोली लगने से गुड्डू की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल धनंजय को परिजन इलाज के लिए ले जा रहे थे, तभी रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। धनंजय गिरि हाल ही में झड़वा के तबरेज हत्याकांड मामले में जेल से छूटकर बाहर आया था। गुड्डू भी लंबे समय से गिरि गिरोह से जुड़ा हुआ था। मुख्य आरोपी सनोवर खान हरसिद्धि थाना क्षेत्र के झड़वा गांव का रहने वाला कुख्यात इनामी अपराधी बताया जाता है। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी स्वर्ण प्रभात ने अरेराज डीएसपी रवि कुमार के नेतृत्व में विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया है। पुलिस फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

अपराध जगत का चर्चित चेहरा था कुख्यात धनंजय गिरि

बीएनएम@ मोतिहारी

आपराधिक गैंगवार में मारा गया कुख्यात अपराधी धनंजय गिरि लंबे समय से अपराध जगत का बड़ा नाम माना जाता था। हाल ही में वह झड़वा के तबरेज हत्याकांड मामले में जेल से छूटकर बाहर आया था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार धनंजय गिरि पर हत्या, लूट और अवैध कारोबार जैसे कई गंभीर मामले दर्ज थे। मई 2022 में उसने अपने छह साथियों के साथ स्कॉर्पियो गाड़ी में हथियार और चरस रखकर सुगौली के बंगरा इलाके में ट्रक लूटने की योजना बनाई थी। उस समय सुगौली पुलिस ने छापेमारी कर उसे साथियों सहित गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। धनंजय का नाम जिले के नामी गिरोहबाज अपराधियों की सूची में लंबे समय से शामिल रहा है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि उसके गैंग के कुछ सदस्य अब भी सक्रिय हैं, जिन पर लगातार नजर रखी जा रही है। अभियुक्त धनंजय गिरि, पिता हरेंद्र गिरि, निवासी भादा गिरी टोला, थाना हरसिद्धि, जिला पूर्वी चंपारण का आपराधिक इतिहास भी बेहद लंबा रहा है। उसके खिलाफ हरसिद्धि थाना क्षेत्र में जनवरी 2022 में कांड संख्या 556/22 के तहत लूट की धारा 392 में मामला दर्ज किया गया था। इसी वर्ष मई में कांड संख्या 188/22 दर्ज हुआ जिसमें उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराओं 25 (1-B)A, 26, 35 और 37 के तहत कार्रवाई हुई। वर्ष 2021 में भी हरसिद्धि थाना क्षेत्र में कांड संख्या 264/21 दर्ज हुआ था जिसमें उस पर मारपीट, छेड़खानी, गाली-गलौज और अन्य धाराओं के तहत केस हुआ। केसरिया थाना क्षेत्र में वर्ष 2022 में कांड संख्या 234/22 दर्ज किया गया, जिसमें उस पर डकैती, हत्या के प्रयास, जहर खिलाने तथा एससी-एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज हुआ। सुगौली थाना क्षेत्र में भी 27 मई 2022 को कांड संख्या 246/22 दर्ज किया गया था। इसमें उसके खिलाफ डकैती की योजना बनाने, अवैध हथियार रखने और एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज हुआ। धनंजय गिरि की आपराधिक गतिविधियों ने उसे जिले का चर्चित अपराधी बना दिया था और पुलिस रिकॉर्ड में वह एक खतरनाक अपराधी के रूप में दर्ज रहा।

सनोवर खान 25 हजार का है इनामी बदमाश, तबरेज हत्याकांड में दाखिल हुआ आरोपपत्र

मोतिहारी। झड़वा तबरेज हत्याकांड में फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश सनोवर खान के खिलाफ पुलिस ने पूरक आरोपपत्र दाखिल करने की अनुशंसा की है। अनुमोदित पूरक आरोपपत्र संख्या-586/25, दिनांक 31 मार्च 2025 में सनोवर खान, पिता अनवर खान, निवासी झड़वा थाना हरसिद्धि, को दोषी मानते हुए उसके विरुद्ध धारा 302, 120(बी), 34 भा.द.वि. एवं 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई का आदेश दिया गया है। इससे पूर्व इस कांड में सना करीम, धनंजय गिरी, सैयद शमीम उर्फ मोटका और मो. नाजिम के खिलाफ 31 जुलाई 2024 को आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है। फरार सनोवर खान की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश बना रही है और जल्द ही उसके विरुद्ध फरारी रौल समर्पित करने की तैयारी भी कर रही है। पुलिस अभिलेख के अनुसार सनोवर खान का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ हरसिद्धि थाना कांड संख्या 160/15 (धारा 414 भा.द.वि. एवं आर्म्स एक्ट), कांड संख्या 10/19 (धारा 20/22 एनडीपीएस), कांड संख्या 11/19 (धारा 413/414 आई.पी.सी.), घोड़ासहन थाना कांड संख्या 282/14 (धारा 307/324 आई.पी.सी.) और सकरा थाना, मुजफ्फरपुर कांड संख्या 518/14 (धारा 394/395 आई.पी.सी.) दर्ज हैं।

टीडीसी पार्ट थर्ड की परीक्षा रही शांतिपूर्ण

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी। बीआरए बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के निर्देशानुसार शहर के एलएनडी कॉलेज परीक्षा केंद्र पर गुरुवार को सत्र 2022-25 के त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम पार्ट थर्ड की परीक्षा शोरमुक्त व कदाचारमुक्त शुरू हो गई। एलएनडी कॉलेज के प्रभारी केंद्राधीक्षक डॉ. सुबोध कुमार ने बताया कि यह केंद्र परीक्षा संबंधी आदर्श संहिताओं के अनुकूल परीक्षा लेने के लिए सदा सुप्रसिद्ध रहा है। यहां किसी भी प्रकार के कदाचार में लिप्त कदाचारियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। ज्ञातव्य हो कि बीआरए बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर द्वारा निर्गत परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार पार्ट थर्ड की 21 अगस्त 2025 से प्रारंभ होकर 3 सितंबर 2025 तक दो पालियों में ली जाएगी। प्रथम पाली का समय पूर्वाह्न नौ से मध्याह्न बारह बजे तक तथा द्वितीय पाली का समय अपराह्न एक बजे से चार बजे तक निर्धारित है। एलएनडी कॉलेज के परीक्षा नियंत्रक डॉ कुमार राकेश रंजन ने कहा कि उत्तर लिखना प्रारंभ करने से पहले प्रत्येक परीक्षार्थी के लिए अपनी उत्तर पुस्तिका के आवरण पृष्ठ पर अपना नाम, माता-पिता का नाम, आधार संख्या, कॉलेज कोड, केंद्र कोड, पेपर आईडी, अनुक्रमांक तथा पंजीयन संख्या लिखना अनिवार्य है अन्यथा उनका परीक्षा परिणाम लंबित हो सकता है। गुरुवार को प्रथम पाली में ग्रुप ए के भोतिकी, गृह विज्ञान, अर्थशास्त्र, भूगोल, हिंदी व संगीत के पांचवें ऑनर्स पत्र द्वितीय पाली में ग्रुप बी के जंतु विज्ञान, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, अंग्रेजी व दर्शन शास्त्र के पांचवें ऑनर्स पेपर की परीक्षा थी। प्रथम पाली की परीक्षा में कुल आवंटित 1366 परीक्षार्थियों में 1356 उपस्थित व 10 अनुपस्थित रहे। द्वितीय पाली की परीक्षा में कुल आवंटित 1227 परीक्षार्थियों में 1218 उपस्थित व 9 अनुपस्थित रहे। निष्कासित परीक्षार्थियों की कुल संख्या शून्य रही। एलएनडी कॉलेज परीक्षा केंद्र पर डॉ.श्रीकृष्ण सिन्हा महिला महाविद्यालय, मुंशी सिंह महाविद्यालय व एनजीएम महाविद्यालय भेलाही के परीक्षार्थियों का परीक्षा केंद्र निर्धारित किया गया है। शुक्रवार को प्रथम पाली में ग्रुप सी के इतिहास, रसायन विज्ञान, संस्कृत, बांग्ला व पर्सियन तथा द्वितीय पाली में ग्रुप डी के वाणिज्य, वनस्पति विज्ञान, गणित, उर्दू व राजनीति विज्ञान के पांचवें ऑनर्स पेपर की परीक्षा ली जाएगी। इस परीक्षा के सफल संचालन में सहायक केंद्राधीक्षक डॉ जौवाद हुसैन व प्रो. अरविंद कुमार, डॉ.दुर्वादल भट्टाचार्य, डॉ दीपक कुमार, डॉ कुमारी मनीषा, डॉ कविता कुमारी, डॉ.अनिता कुमारी, डॉ भुवनेश्वर सिंह, अखिलेश कुमार, आलोक कुमार पाण्डेय आदि वीक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जिला प्रशासन द्वारा प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी जितेंद्र कुमार भास्कर, पुलिस पदाधिकारी व आरक्षक भी अपने कर्तव्य निर्वहन पर मुस्तैद रहे।

एच.एन.पी. इंस्टिट्यूट ऑफ़ एजुकेशन विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बीएनएम@ मोतिहारी

79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एच.एन.पी. इंस्टिट्यूट ऑफ़ एजुकेशन विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को किया गया। जिसमें विद्यालय के निदेशक डॉ.रवि अभिषेक ने छात्रों को संबोधन में कहा कि बच्चे ही हमारे देश के भविष्य हैं। इस अवसर पर बच्चों ने प्रभात फेरी निकाली और सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया। कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षक रोहित कुमार ने किया। इस कार्यक्रम में बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मौके पर प्राचार्य प्रो.आशुतोष प्रवीन, शिक्षिका नीरजा कुमारी, मौसमी चटर्जी, मधु कुमारी, लाडली प्रवीन, शिक्षक रोहित कुमार, रितु राज कुमार, राहुल कुमार, राज दूबे सहित सभी सम्मानित छात्र अदिति आर्या, रोशनी कूमारी, यास्मीन प्रवीन, सत्यम सागर, आर्यन कुमार, अंशिका अभिषेक, स्वराज, आदित्य हरीओम सहित सैकड़ों छात्र/छात्रा उपस्थित रहे।

61 किलो चांदी के आभूषणों के साथ दो कारोबारी गिरफ्तार

चांदी का अंतरराष्ट्रीय मूल्य 70 लाख आंका गया

बीएनएम@ सुगौली

स्थानीय पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 61 किलो चांदी के आभूषणों के साथ दो कारोबारियों को गिरफ्तार किया है। बरामद चांदी का अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य लगभग 70 लाख रुपये आंका गया है। थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि एक दिल्ली रजिस्ट्रेशन वाली गाड़ी से भारी मात्रा में चांदी की तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर वाहन को रोक लिया। जांच के दौरान गाड़ी से विभिन्न प्रकार के चांदी के गहने बरामद हुए। गिरफ्तार कारोबारियों की पहचान पश्चिम चंपारण के गोपालपुर थाना क्षेत्र के बैसखवा गांव निवासी शशिभूषण साह और नेपाल के वीरगंज निवासी वृजकिशोर शाह सोनार के रूप में हुई है। पुलिस ने आभूषणों को जब्त कर लिया है और दोनों से गहन पूछताछ की जा रही है।

एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन को लेकर जनसंपर्क तेज

» **24 अगस्त को होना है सम्मेलन**

बीएनएम@ सुगौली

नगर पंचायत में एन डी ए कार्यकताओं के सम्मेलन को लेकर एन डी ए के घटक दल लोजपा (रा) ने जन संपर्क अभियान तेज कर दिया है। लोजपा (रा) के व्यवसायिक प्रकोष्ठ के नगर अध्यक्ष संतोष सर्राफ के नेतृत्व में गुरुवार को नेताओं ने नगर पंचायत के विभिन्न वार्डों में जन संपर्क अभियान चलाया।जन संपर्क अभियान के दौरान पार्टी के नेता नगर पंचायत के विभिन्न वार्डों की जनता से संपर्क किया और पार्टी सुप्रीमो चिराग पासवान के बिहार और बिहार वासियों के विजन को लोगों के बीच बताया। नेताओं ने बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बनी एन डी ए सरकार की उपलब्धियों को रेखांकित किया और पार्टी नेता पंकज पांडेय के विचारों को लेकर लोगों के बीच बताया। पार्टी के व्यवसायिक प्रकोष्ठ के नगर अध्यक्ष संतोष सर्राफ ने नगर भ्रमण के दौरान बताया कि बिहार में एन डी ए की सरकार ने जन सरोकार के कार्यों में अविश्वसनीय उपलब्धियां हासिल किये हैं। उन्होंने बताया कि बिहार सरकार के जनहित के कार्यों को बताने के लिए आने वाले समय में पार्टी कार्यकर्ता हर जन तक जायेंगे और पार्टी तथा सरकार की नीतियों से लोगों को अवगत करायेंगे। वहीं प्रखंड अध्यक्ष अजीत पासवान ने बताया कि जमीनी संबंधी मामले को लेकर बिहार सरकार द्वारा 16 अगस्त से चलाये जा रहे राजस्व विभाग के अभियान के तहत लगने वाले शिविरों में पार्टी कार्यकर्ता दलित, महादलित समेत आम जनता को इस कार्य में सहयोग करेंगे।

चोरी की बाइक बरामद, एक गिरफ्तार, एक फरार

बीएनएम@ अरेराज

मलाही थाना क्षेत्र के ममरखा भिया टोला में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जबकि उसका बेटा फरार हो गया। थानाध्यक्ष करण सिंह ने बताया कि 20 अगस्त को उन्हें सूचना मिली थी कि टोला में चोरी की बाइक रखी गई है। इसके बाद पुलिस टीम ने छापेमारी की। मौके से काले-सफेद रंग की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (नंबर प्लेट BR22AK9945) बरामद हुई। जांच में पाया गया कि बाइक का वास्तविक नंबर BR29AH0398 है, जो गोपालगंज निवासी राज किशोर सिंह की है और वर्ष 2021 में चोरी हुई थी। मौके से मोहम्मद मियां उर्फ मोहम्मद हुसैन को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि उसने चोरी की बाइक खरीदी थी और नकली नंबर प्लेट लगाकर बेचने की योजना बना रहा था। उसका बेटा निजामुद्दीन मियां उर्फ बिलट पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। पुलिस ने बाइक जब्त कर ली है और गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं, फरार आरोपी की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

सर्पदंश से बिगड़ी युवक की तबियत

बीएनएम@ जमुई /झाझा। प्रखंड अंतर्गत छापा धपडी गांव निवासी ब्रह्मदेव यादव का 35 वर्षीय पुत्र साजन कुमार सर्पदंश का शिकार बन गया,परिजनों के द्वारा उसे रेफ़रल अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सक ने औपचारिक इलाज कर बेहतर इलाज हेतु मरीज को जमुई रेफर कर दिया, घटना की जानकारी समाजसेवी गौरव सिंह राठौड़ को दी गई जिसके बाद उन्होंने अपने देख रेख में मरीज का इलाज करवाया साथ ही मरीज को हिम्मत भी प्रदान किए, श्री राठौड़ ने बताया कि धपडी गांव से मुझे सूचना प्राप्त हुई जिसके बाद मरीज को तत्परता से अस्पताल लाने को कहा क्यूंकि सर्पदंश में परिजनों द्वारा झाड़ फूंक के चक्कर में अपना समय नष्ट कर देते हैं, हालांकि इलाज के दौरान घबराएं परिजनों द्वारा अस्पताल परिसर में ही झाड़ फूंक का भी सहारा लिए,जिसे देखने के लिए अस्पताल परिसर में काफी भीड़ भी जुट गई, मरीज़ का हालात बिगड़ते देख चिकित्सक ने बेहतर इलाज के लिए जमुई रेफर कर दिया,इधर समाचार संगलन तक मरीज की हालत में सुधार होने की पुष्टि प्राप्त हुई।

शराब बरामद

बीएनएम@ बगहा: बगहा पुलिस जिला के गंडक पार स्थित भितहा थाना पुलिस शराब धंधेबाजों के विरुद्ध काफी सख्त है, तथा लगातार छापेमारी अभियान शुरु कर दिया है। भितहा थानाध्यक्ष अभिलाष कुमार ने बताया कि उक्त कार्रवाई गुप्त सुचना के आलोक में की गई है। उन्होंने बताया कि गुप्त सुचना के आधार पर बिनहीं पीपल मोड़ पर वाहन जांच अभियान चला कर शराब धंधेबाजों के मनसुबे पर पुलिस ने पानी फेर दी है। वाहन जांच के दौरान ग्लैमर मोटर साईकिल के शीट के निचे एवं टंकी के भीतर छीपा कर रखे 67 पीस बंटी बबली देशी शराब प्रत्येक पीस 200 एम एल कुल मात्रा 13.400 लीटर शराब बरामद किया गया। तथा बाईक को जब्त की गई। तथा शराब धंधेबाज राजेश बीन पिता राजराम बीन ग्राम मुराडीह टांड को गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि इस संदर्भ में भितहा थाना काण्ड संख्या 113/2025 दर्ज करते हुए गिरफ्तार शराब धंधेबाज को न्यायिक हिरासत में बगहा भेजा गया। भितहा थाना पुलिस की इस कार्रवाई से शराब धंधेबाजों में हडकंप मच गया है।

सास बहू के साथ कि गई मारपीट

बीएनएम@ जमुई /झाझा। थानाक्षेत्र के करहरा गांव में धान के खेत मे मवेशी घुस जाने के विवाद पर एक महिला और उसकी सास के साथ गोतिया के द्वारा मारपीट की। जिसमे घायल बहु को परिजनों ने रेफरल अस्पताल में इलाज करवाया। घायल बहु ललिता देवी ने बताई की धान के खेत मे मवेशी घुस जाने के विवाद में गुड्डू यादव, बबलू कुमार ने घर पर आकर गाली गलौज किया और लात घुस्सा से मारपीट कर लाठी से मारकर घायल कर दिया और जब सास मुनरिका देवी बचाने आई तो उसे भी उनदोनो के घर की दो महिलाओं ने मारपीट किया।

कैमरे की जगह पिस्तौल लेकर चलो-जीवेश मिश्रा

बीएनएम@ पटना/सासाराम: नगर विकास विभाग की करोड़ों की योजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास के लिए सासाराम पहुंचे बिहार सरकार के नगर विकास मंत्री जीवेश कुमार मिश्रा उस समय विवादों में घिर गए, जब उन्होंने पत्रकारों से उलझते हुए कहा कि "आप लोग कैमरे की जगह अब पिस्तौल लेकर चलो।" दरअसल, कार्यक्रम स्थल पर जब पत्रकारों ने नगर की समस्याओं से जुड़े सवाल पूछे तो मंत्री पहले उन्हें धैर्य रखने की नसीहत देने लगे। लेकिन लगातार सवालों से असहज होकर उन्होंने तैश में यह विवादित टिप्पणी कर दी। मौके पर मौजूद पत्रकारों और वार्ड पार्षदों के सामने मंत्री ने कहा कि उनकी मर्जी के खिलाफ कोई बयान नहीं लिया जा सकता। बताया जाता है कि कैमरा देखते ही मंत्री ने अपने बयान को मज़ाक में बदलने की कोशिश की और हंसी-ठिठोली में टालने लगे। हालांकि, उनका पूरा बयान कैमरे में कैद हो गया। इस दौरान मंत्री के गार्ड ने भी एक कैमरा पर्सन को रिकॉर्डिंग जारी रखने से रोक दिया।

कांग्रेस-राजद का फरेब बेनकाब: मंगल पांडेय

बीएनएम@ पटना। स्वास्थ्य एवं विधि मंत्री मंगल पांडेय ने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की "वोट अधिकार यात्रा" पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि वोटर लिस्ट से नाम कटने का जो मुद्दा कांग्रेस और राजद उठा रहे हैं, वह पूरी तरह फरेब साबित हो रहा है।मंत्री ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी द्वारा पेश किए गए उदाहरण एक-एक कर झूठे निकल रहे हैं। उन्होंने कहा कि कानपुर के आदित्य श्रीवास्तव, रोहतास की रंजू देवी और नवादा के सुबोध कुमार जैसे मामलों से साफ हो गया है कि विपक्ष जानबूझकर जनता को गुमराह कर रहा था। "जिन लोगों को लेकर राहुल गांधी ने वोट चोरी का आरोप लगाया, वही लोग सामने आकर उनके दावे को झुठला रहे हैं," पांडेय ने कहा।मंगल पांडेय ने चुनाव आयोग की कार्रवाई का हवाला देते हुए बताया कि विपक्ष द्वारा 65 लाख वोटरों के नाम कटने का जो हौवा खड़ा किया गया था, आयोग ने बूथवार कारणों सहित सूची जारी कर विपक्ष की पोल खोल दी है।

मदरसा शिक्षा बोर्ड के शताब्दी समारोह का उद्घाटन, नीतीश ने गिनाईं उपलब्धियां

मुस्लिम महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए हमने आर्थिक मदद 10 से बढ़ाकर 25 हजार की नितीश कुमार

प्रगति यात्रा के दौरान 50 हजार करोड़ रुपये की 430 नई योजनाओं को स्वीकृति दी गयी है

बीएनएम@ पटना

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व अन्य

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को सम्राट अशोक कन्वेंशन सेंटर स्थित बापू सभागार में बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड के शताब्दी समारोह का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। इस मौके पर मदरसा से जुड़े 15 हजार से अधिक लोग मौजूद रहे।मुख्यमंत्री ने कहा कि 2005 से पहले मुस्लिम समुदाय के लिए कोई ठोस पहल नहीं हुई थी। उनकी सरकार ने कब्रिस्तान की घेराबंदी, मदरसा शिक्षकों को सरकारी मान्यता और बराबर वेतन, परित्यक्ता मुस्लिम महिलाओं को आर्थिक सहायता तथा छात्रों के लिए छात्रवृत्ति जैसी योजनाएं शुरू कीं। उन्होंने बताया कि अल्पसंख्यक कल्याण विभाग का बजट 2004-05 में 3.54 करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर 1080 करोड़ हो गया है।नीतीश ने कहा कि भागलपुर दंगा पीड़ितों को उनकी सरकार ने मुआवजा और पेंशन दी। मुस्लिम महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए आर्थिक मदद 10 हजार से बढ़ाकर 25 हजार रुपये की गई। रोजगार सृजन के लिए भी कई योजनाएं चलाई जा रही हैं।मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि 2018 में सभी घरों तक बिजली पहुंचाई गई और अब घरेलू उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली दी जा रही है। हाल ही में वृद्धजनों, दिव्यांगों और विधवाओं की पेंशन 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये की गई। प्रगति यात्रा के दौरान 50 हजार करोड़ रुपये की 430 नई योजनाओं को स्वीकृति दी गई है, जिन पर काम चल रहा है।कार्यक्रम में मुख्यमंत्री को अंगवस्त्र, टोपी और मखाने की माला पहनाकर सम्मानित किया गया। मौके पर प्रकाशित स्मारिका का भी विमोचन किया गया।इस अवसर पर अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमा खान, मदरसा बोर्ड अध्यक्ष सलीम परवेज, मंत्री विजय कुमार चौधरी, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी समेत कई गणमान्य उपस्थित थे।

सरकारी अस्पतालों का अब एक ही नाम, 'सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र'

बीएनएम@ जमुई/झाझा

बिहार सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने सरकारी अस्पतालों की पहचान को आसान बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब तक जिन्हें रेफरल अस्पताल और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के नाम से जाना जाता था, वे सभी अब एक ही नाम से जाने जाएंगे: सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र।यह बदलाव इसलिए किया जा रहा है ताकि अस्पतालों के नाम में एकरूपता लाई जा सके। जमुई के रेफरल अस्पताल का पुराना और जर्जर भवन तोड़कर उसकी जगह 30 बेड वाला नया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनाया जा रहा है। इस नए भवन के निर्माण पर 5.75 करोड़ रुपये की लागत आएगी।स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि इस पहल से न केवल अस्पतालों की पहचान सरल होगी, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर ढंग से व्यवस्थित करने में भी मदद मिलेगी।

दिन दहाड़े अपराधियों ने विक्रम गिरी को गोलियों से भुना, मौत

बीएनएम@ समस्तीपुर

समस्तीपुर घटनास्थल पर लगी लोगों की भीड़

उजियारपुर थाना क्षेत्र के माधोडीह गांव में गुरुवार को अपराधियों ने कुख्यात अपराधी माने जाने वाले विक्रम गिरी की अंधाधुंध फायरिंग कर हत्या कर दी। अपराधियों की ताबड़तोड़ गोलियों से विक्रम गिरी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। बताया गया है कि अपराधियों ने करीब दर्जनों से अधिक राउंड गोलियां फायरिंग की। इधर घटना की सूचना मिलते ही पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अपराधी बाइक पर सवार होकर आए थे। घर के पास ही माधोडीह में विक्रम गिरी पर बदमाशों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। गोलियों की आवाज से आसपास अफरातफरी का माहौल बन गया। वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी हथियार लहराते हुए फरार हो गए। बताया जा रहा है कि मृतक विक्रम गिरी का भी आपराधिक इतिहास रहा है। हाल ही में वह एक हत्याकांड मामले में जेल से जमानत पर बाहर आया था। उस पर कई अन्य संगीन आपराधिक मामले भी दर्ज हैं। इलाके के चर्चित फर्नीचर व्यवसायी नेपाली चौधरी हत्याकांड का भी वह आरोपी था। वारदात की खबर मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी शुरू कर दी। वहीं, अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पूरे इलाके की नाकेबंदी कर सीमाओं को सील कर दिया गया है।इस सनसनीखेज हत्याकांड ने इलाके में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि अपराधियों में पुलिस का भय खत्म हो गया है, तभी दिनदहाड़े इस तरह की वारदात को अंजाम दिया जा रहा है। फिलहाल पुलिस घटना के कारणों और अपराधियों की पहचान में जुट गई है।

खुले आसमान के नीचे पढने को विवश है बच्चें

» विधालय की स्थापना वर्ष 2007 में हुई थी
» राज्यपाल के नाम से भूमि की रजिस्ट्री

बीएनएम@ बगहा

बगहा खुले आसमान के नीचे पढ़ते बच्चे

बगहा एक प्रखण्ड के टेसरहिया बथवरिया पंचायत अंतर्गत राजकीय प्राथमिक विद्यालय तिवारी टोला जिसकी स्थापना 2007 में खुले आसमान के नीचे हुई थी । जिसके बाद स्थानीय निवासी सुरेंद्र पति तिवारी को बच्चों और शिक्षकों की दुर्दशा देखी न गयी और उन्होंने पश्चिम चंपारण के तत्कालीन जिलाधिकारी के आदेश पर अपने हिस्से की कुछ जमीन राज्यपाल के नाम कोर्ट में रजिस्ट्री कर दी। जिसके बाद सरकारी खर्चे से उस जमीन पर राजकीय प्राथमिक विद्यालय तिवारी टोला का दो मंजिला भवन 2012 में बनकर पूर्ण रूप से तैयार हो गया । किंतु शिक्षा विभाग की लापरवाही से आज तक इस विद्यालय के बच्चे चिलचिलाती धूप हो या कड़ाके की ठंढ यानी सभी मौसमो में खुले आसमान के नीचे पढाई करने को विवश और लाचार है । लाखों रुपए का डेस्क बेंच सड़ रहा है। बच्चे तिरपाल पर बैठ कर शिक्षार्जन कर रहे है। प्रशासन उन मासूमों को नवनिर्मित भवन में आज तक शिफ्ट नहीं करा सकी। हैरत की बात यह है कि एक तरफ खुद शिक्षा विभाग के आलाधिकारी यह फरमान जारी कर चुके है कि खुले आसमान , कच्ची झोपड़ी और पेड़ के नीचे सरकारी विद्यालय का संचालन किसी भी सूरत में नहीं होगा।जबकि दूसरी तरफ लाखों रुपए की लागत से विद्यालय का बना दो मंजिला भवन 13 वर्षो से महज शोभा की बस्तु बनी हुई है जो बच्चों की किलकारियों की बाट जोह रहा है और अधिकारी कुंभकर्णी निंद्रा में खर्राटें ले रहे है। विद्यालय के शिक्षक चन्द्रशेन चन्द्र पांडेय व केदार अहीर ने बताया कि इसकी जानकारी सभी जिम्मेदार पदाधिकारियों को दे दी गयी है । कई बार अखबारों और सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित भी हो चुका है बावजूद पदाधिकारी इस विद्यालय की ओर ध्यान नहीं दे रहे। शिक्षक और छात्र - छत्राओं को अपने हाल पर भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है। समय रहते अगर ध्यान नहीं दिया गया तो भविष्य में छात्र - छत्राओं अथवा शिक्षकों के साथ बड़ी दुर्घटना घट सकती है। इस संदर्भ में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी पूरन कुमार शर्मा ने बताया कि मुझे इसकी जानकारी नहीं थी । बहुत ही गंभीर मामला है जल्द इसका समाधान किया जाएगा।

छात्रा की संदिग्ध मौत, पेड़ से लटका मिला शव

परिजनों ने सौतेली मां पर प्रताड़ना का लगाया आरोप

बीएनएम@ जमुई/बरहट

जमुई घटनास्थल पर जांच करती पुलिस

मृतिका का फाइल फोटो

थाना क्षेत्र के डाढ़ा पंचायत में गुरुवार की सुबह सनसनी फैल गई जब ग्रामीणों ने 16 वर्षीय अन्नू प्रीति राज, जो इंटर प्रथम वर्ष की छात्रा थी, का शव गांव के आम के पेड़ से लटकता देखा। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए और पूरे इलाके में मातम छा गया। ग्रामीणों ने बताया कि किशोरी ने पेड़ से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। हालांकि परिजनों ने इस घटना को संदिग्ध बताते हुए सौतेली मां पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। मृतका अन्नू प्रीति राज ने वर्ष 2025 में मैट्रिक की परीक्षा दी थी और अब वह इंटर प्रथम वर्ष की छात्रा थी। परिजनों के अनुसार वह पढ़ाई में होनहार थी और भविष्य में आगे बढ़ने की इच्छा रखती थी। परिजनों ने बताया कि अन्नू की मां की शादी वर्ष 2007 में पप्पू मंडल उर्फ कुंदन कुमार से हुई थी। मात्र तीन साल बाद ही 2010 में दहेज के लिए उसकी मां की हत्या कर दी गई। उस समय अन्नू मात्र डेढ़ वर्ष की थी। इसके बाद से वह सौतेली मां की देखरेख में पली।

मौसी और मौसा ने जताई हत्या की आशंका

मृतका की मौसी पूनम कुमारी, जो जमुई जिले के सिरचन नवादा में रहती हैं, ने कहा कि सौतेली मां द्वारा लगातार प्रताड़ित किए जाने के कारण ही यह घटना घटी है। वहीं मौसा बबलू कुमार ने भी हत्या की आशंका जताई है और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। घटना की सूचना मिलते ही सदर एसडीपीओ सतीश कुमार, बरहट थाना अध्यक्ष कुमार संजीव तथा एफ एस एल की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जमुई सदर अस्पताल भेज दिया। अधिकारियों ने बताया कि घटना के कारणों का अभी तक स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन परिजनों के आरोपों को ध्यान में रखते हुए सभी बिंदुओं पर गंभीरता से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण का पता चल सकेगा। गांव में हुई इस हृदयविदारक घटना ने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

महाविद्यालय स्तरीय रेड रन प्रतियोगिता आयोजित

बीएनएम@ समस्तीपुर

» रोहित, प्रथम; बैजू, द्वितीय व गुलशन, तृतीय स्थान बालक वर्ग में प्राप्त किया

जीएमआरडी कॉलेज में महाविद्यालय स्तरीय रेड रन प्रतियोगिता का आयोजन गुरूवार को हुआ। बिहार राज्य एड्स कंट्रोल सोसाइटी, पटना द्वारा प्रायोजित रन महाविद्यालय के स्टेडियम में सैकड़ों छात्र/छात्राओं, एन एस एस वालंटियर्स, एन सी सी कैडेट्स, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के कर्मियों, मीडिया कर्मियों,गणमान्य शिक्षकों व शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की गरिमामय उपस्थिति प्रारंभ हुआ। प्रभारी प्रधानाचार्य डॉ. संतोष कुमार ने एड्स प्रति जागरूक करते हुए कहा की जानकारी ही बचाव है। यह एक वायरस है जो मानव शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को कम करता है। कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता के कारण मानव शरीर में बीमारियां हो जाती है, इस स्थिति को एड्स के रूप में जाने जाते हैं। इस प्रतियोगिता में बालक वर्ग में प्रथम पांच क्रमशः रोहित, बैजू, गुलशन, बिरजू व रोहित स्थान पर रहे जबकि बालिका वर्ग सुहानी, पिंकी, माधुरी, प्रीति व नंदिनी ने बाजी मारी। समाप्ति के उपरांत विजेता प्रतिभागियों को प्रभारी प्रधानाचार्य डॉ कुमार, नोडल पदाधिकारी डॉ लक्ष्मण यादव,सभी शिक्षक गण ने मेडल पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ दिनेश प्रसाद,डॉ सुनील कुमार पासवान, डॉ ब्रजेश कुमार, डॉ अभय कुमार, डॉ अर्चना कुमार, डॉ अर्चना कुमारी, डॉ जितेंद्र पांडेय, डॉ मुमताज जहां, राघवेंद्र,चंदन कुमार, विश्वजीत, राजीव, संजय, बृजेश, कुंदन,पिंटू,राहुल, अभिषेक, प्रियांशु, आशीष इत्यादि उपस्थित थे।

पटना में डेंगू का कहर: 48 घंटे में 28 नए मामले, कई इलाके बने हॉटस्पॉट

बीएनएम@ पटना

राजधानी पटना में डेंगू के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। पिछले 48 घंटों में 28 नए मरीजों की पुष्टि हुई है। मंगलवार को ही 15 नए मामले सामने आए, जो इस साल एक दिन में सबसे अधिक हैं। स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम के लिए यह स्थिति बड़ी चुनौती बन गई है।जनवरी से अब तक पटना में डेंगू के 150 से ज्यादा मामले दर्ज हो चुके हैं। इनमें से केवल अगस्त के पहले 20 दिनों में ही 86 लोग संक्रमित पाए गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जलजमाव वाले इलाके डेंगू के लिए सबसे ज्यादा संवेदनशील हैं। यही वजह है कि इस बार भी पिछले साल जैसे ही मोहल्ले हॉटस्पॉट बनते दिख रहे हैं। सबसे प्रभावित इलाकों में कंकड़बाग, पोस्टल पार्क, योगीपुर, जक्कनपुर, जगनपुरा, पटना सिटी, बोरिंग रोड, बोरिंग कैनाल रोड, पाटलिपुत्र कॉलोनी, दीघा, गोला रोड, रूपसपुर, फुलवारीशरीफ और दानापुर शामिल हैं। इन मोहल्लों में जलजमाव और साफ-सफाई की समस्या से मच्छरों के प्रजनन की संभावना अधिक है। सरकारी और निजी अस्पतालों में डेंगू के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। पीएमसीएच, आईजीआईएमएस, एम्स पटना और एनएमसीएच में डेंगू मरीज भर्ती हैं। फिलहाल आईजीआईएमएस में चार मरीजों का इलाज चल रहा है। वहीं, पारस, मेदांता, रूबन और मेडिवर्सल जैसे निजी अस्पतालों की ओपीडी में भी बड़ी संख्या में मरीज पहुंच रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे घरों और आसपास पानी जमा न होने दें, मच्छररोधी दवाओं का इस्तेमाल करें और किसी भी लक्षण दिखने पर तुरंत जांच कराएं। नगर निगम की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में फॉगिंग और एंटी-लार्वा स्प्रे कर रही हैं।

दो दिवसीय भादो मेला का किया जाएगा आयोजन

बीएनएम@ जमुई /झाझा

दादी की फौज करेगी मौज अपने निरंतर क्रम को जारी रखते हुए वर्तमान वर्ष भी झुंझुनूं की मोटी सेठानी श्री रानीसती दादीजी का भव्य भादो महोत्सव स्थानीय नबाब रोड स्थित श्री दादी मंदिर मे दो दिवसीय भादो मेला का आयोजन श्री दादी सेवा समिति के आतिथ्य में दिनांक 22 व 23 अगस्त को बड़े ही धूमधाम से मनाया जाना सुनिश्चित है।जिसमें दादीजी का भव्य श्रृंगार दर्शन, भजन संध्या, छप्पन भोग, दादीजी की ज्योत एवं पूजन के अलावा दूसरे दिन श्री नारायणी मंगल पाठ वाचन का कार्यक्रम होगा जिसमें समाज की सभी महिला अपने राजस्थान के पारंपरिक परिधान धारण कर पाठ में हिस्सा लेगी। पाठ वाचन के लिए सुविख्यात भजन गायक की युगल जोड़ी परितोष मिनी धनबाद को समिति द्वारा आमंत्रित किया गया है। बंगाल के कारीगर के द्वारा मंदिर परिसर को फूल से सजाने का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। बाहर से आए हुए भक्तों के लिए अग्रवाल पंचायत धर्मशाला को अतिथि आवास का लुक दिया जा रहा है। 23 अगस्त को प्रातः 7 बजे से दादीजी की जात यथा रोली, काजल की टिक्की अर्पण कर समाज के सभी बंधु दादीजी का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। रात्रि 8 बजे से समाज के सभी परिवार के लिए महाप्रसाद एवं भंडारा के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। उक्त जानकारी समिति के संरक्षक सीताराम पोद्दार ने देते हुए बताया कि समिति के सदस्य के अलावा समाज का पूर्ण सहयोग मिल रहा है। समिति सदस्य संजय बंका, गुड्डु सुल्तानिया, प्रशांत सुल्तानिया, अनिल व रवि अग्रवाल, अजय छापड़िया महिला सदस्य रिंकू बंका, पूनम सुल्तानिया आदि तन मन धन से महोत्सव को सफल बनाने में लगे हुए है। साथ ही साथ मारवाड़ी युवा मंच झाझा की युवा ब्रिगेड टीम अध्यक्ष आयुष बंका महोत्सव में सक्रिय हैं।

शराब लदी तीन स्कॉर्पियो जब्त, तीन शराब तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम@ जमुई /झाझा

जब्त विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार शराब तस्कर

जमुई पुलिस अधीक्षक और मद्य निषेध पटना को मिली गुप्त सूचना के आधार पर झाझा एसडीपीओ के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में विदेशी शराब से भरा तीन स्कॉर्पियो समेत तीन शराब तस्कर को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। इस संदर्भ में एसडीपीओ ने पीसी कर मामले की जानकारी देते हुए बताया कि वरीय पदाधिकारी को मिली सूचना पर पुअनि अरविंद कुमार, दीपक कुमार, क्षेबर राम, सअनि चंदन कुमार एवं एएलटीएफ की टीम गठित होने के बाद रात्रि करीबन 3 बजे रजला से द्वारपहड़ी जाने वाली रास्ते मे रजला रेलवे हॉल्ट के पास पहुंचे तो स्कॉर्पियो भागने की कोशिश करने लगा लेकिन गठित पुलिस टीम ने तीनों स्कॉर्पियो की घेराबंदी कर वाहन को जब्त किया और जब तलाशी ली गई तो सभी वाहन से विदेशी शराब बरामद हुआ। एसडीपीओ ने बताया कि तीनों वाहन के चालक को गिरफ्तार किया जिसकीं पहचान गिद्धौर थानाक्षेत्र के गंगरा गांव निवासी सुमित कुमार, समस्तीपुर जिला के दवईपट्टी के रहने वाले लालू कुमार और सरायगंज निवासी राजीव कुमार के रूप में हुई है। जब्त शराब की बोतल गिनती करने पर अलग अलग ब्रांड के कुल 2192 बोतल यानी 822 लीटर शराब मिला जिसकीं कुल मूल्य करीबन 8 लाख रुपए बताया गया। एसडीपीओ ने बताया कि पकड़े गए लोग इससे पूर्व भी शराब तस्करी कर चुका था। फिलहाल शराब तस्करी के मामले प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और जो भी अन्य लोग शामिल है उसकी गिरफ्तारी को लेकर आगे की कार्रवाई करने में पुलिस जुट चुकी है

मजदूरी का रुपए मांगने पर मारपीट

बीएनएम@ जमुई /झाझा

मजदूरी के रुपए मांगना एक मजदूर को भारी पड़ गया और उसी के गांव के दो लोग मजदूर के साथ बेरहमी से मारपीट कर हाइड्रोसिल में ईंट से वार कर घायल कर दिया। मामला थानाक्षेत्र के महापुर पंचायत के गढ़ी गांव से जुड़ा है। घायल की पहचान बैद्यनाथ यादव के रूप में हुई है, जिसे परिजनों ने सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया जहां उसका इलाज हुआ। घायल ने बताया कि गांव के ही रहने वाले गोपाल यादव, हरि यादव मुझे बेंगलुरु काम करवाने के लिए ले गया जहां उसके पास मजदूरी का रुपए जमा था। वही बकाया रुपए में ढेड़ लाख रुपए मांगने जब गुरुवार को दोनो के पास गया तो दोनो मिलकर मेरे साथ मारपीट करने लगा। घटना की जानकारी घायल के द्वारा झाझा थाना को भी दे दिया गया।

असहनीय सीमा तक पहुंची समस्या

आवारा पशुओं के मामले में न्यायपालिका को दखल देना पड़ा है, तो जाहिर है कि समस्या ऐसी असहनीय सीमा तक पहुंच गई है, जब इस पर गंभीरता से ध्यान देना होगा। वरना, भविष्य में लोगों को इसकी और महंगी कीमत चुकानी पड़ेगी। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के नगरपालिका अधिकारियों को आदेश दिया है कि वे आठ हफ्तों के अंदर राष्ट्रीय राजधानी की सड़कों से आवारा कुत्तों को हटाएं। कोर्ट ने इन कुत्तों के लिए खास शेल्टर बनाने का निर्देश दिया है। उधर राजस्थान हाई कोर्ट ने आवारा कुत्तों एवं अन्य पशुओं को सड़कों से हटाने का आदेश नगर निकायों को दिया है। हाई कोर्ट ने कहा कि इस काम में कोई रुकावट डालता है, तो नगर निकाय अधिकारी एफआईआर दर्ज कराने जैसे कानूनी कदम उठा सकते हैं। इन दोनों आदेशों के तर्क को समझा जा सकता है। आवारा कुत्तों के हमलों में हाल में अनेक जानें गई हैं। 2024 में देश भर में आवारा कुत्तों के काटने के 37 लाख मामले दर्ज हुए। यह इस समस्या का सही आईना नहीं है, क्योंकि आम तौर पर ऐसी घटनाओं को लेकर लोग पुलिस के पास नहीं जाते। दिल्ली में आवारा कुत्तों के हमले में एक बच्चे की दर्दनाक मौत से आहत सुप्रीम कोर्ट ने अपनी तरफ से इस मामले का संज्ञान लेते हुए उपरोक्त आदेश दिया है। इस बीच हाल के वर्षों में एक्सप्रेस-वेज से लेकर गली-मोहल्लों तक की सड़कों पर आवारा पशुओं का विचरण बड़ी समस्या बन चुका है। इन पशुओं के कारण सड़क हादसों की खबर अक्सर आती है। इसलिए कहा जाएगा कि न्यायपालिका ने वाजिब हस्तक्षेप किया है। मगर क्या इस हस्तक्षेप से इस समस्या से सचमुच राहत मिल पाएगी ये सवाल इसलिए उठता है, क्योंकि आखिर नगर प्रशासन आवारा कुत्तों का क्या करेगा बताया जाता है कि दिल्ली में चार से आठ लाख तक आवारा कुत्ते हैं। उनके लिए हजारों शेल्टर बनाने होंगे। उसके लिए जमीन और धन कहां से आएंगे फिर आवारा पशुओं की बढ़ती संख्या के पीछे सशक्त राजनीतिक कारण हैं। उस राजनीति के कर्ता-धर्ता न्यायपालिका की भावना समझेंगे, इसकी संभावना बहुत उज्ज्वल नहीं है।

ऑनलाइन गेमिंग और सोशल मीडिया, ऑस्ट्रेलिया जैसे प्रयोग की भी जरूरत

डॉ. निवेदिता शर्मा

लोकसभा में 20 अगस्त 2025 को जब इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने "ऑनलाइन खेल संवर्धन और विनियमन विधेयक, 2025" प्रस्तुत किया तब इस दिशा में यह भी सुस्पष्ट हो गया कि यह केवल एक विधायी औपचारिकता नहीं थी, डिजिटल युग की नई चुनौतियों के प्रति सरकार के दृष्टिकोण में आए बदलाव का इसे आप पुख्ता प्रमाण मान सकते हैं। इस विधेयक में रियल मनी गेमिंग और उसके विज्ञापनों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने, उल्लंघन करने वालों के लिए जेल और जुर्माने जैसी कठोर सजा का प्रावधान करने और साथ ही ई-स्पोर्ट्स, शैक्षणिक तथा सामाजिक खेलों को बढ़ावा देने का प्रावधान करता है। विधेयक में स्पष्ट शब्दों में कहा गया है कि इस कदम का उद्देश्य समाज, विशेषकर युवाओं और कमजोर वर्गों को डिजिटल व्यसन के दुष्प्रभावों से बचाना है। भारत में एक तरह से देखा जाए तो ऑनलाइन गेमिंग इंडस्ट्री पिछले एक दशक में अप्रत्याशित रफ्तार से बढ़ी है। आज इसका आकार 32,000 करोड़ रुपये तक पहुँच चुका है और अनुमान था कि 2029 तक यह उद्योग 80,000 करोड़ रुपये के स्तर को छू लेगा। लेकिन इस वृद्धि की असल नींव रियल मनी गेमिंग यानी पैसों के लालच और जुए जैसे खेलों पर आधारित रही। आँकड़े बताते हैं कि इंडस्ट्री का 86 प्रतिशत राजस्व इन्हीं खेलों से आता रहा है। यह वही खेल हैं, जिनमें किशोर और युवा अपनी मेहनत की कमाई, यहाँ तक कि उधार लिए पैसे भी गँवाते रहे। परिवार टूटे, सामाजिक रिश्ते बिगड़े, अवसाद और आत्महत्या के मामले बढ़े। अब तक हजार से कई अधिक की संख्या में लोग गेम के चक्कर में मौत को गले लगा चुके हैं। ऐसे में स्वाभाविक है कि देश भर में सरकार का यह कदम ऐसे हालात में न केवल उचित है बल्कि यह समय की माँग भी है। लेकिन इसके साथ ही जिम्मेदारीपूर्ण यह माँग भी उठना स्वाभाविक है कि यदि सरकार डिजिटल व्यसन की इस समस्या को ऑनलाइन गेमिंग के संदर्भ में गंभीरता से देख सकती है तो क्या वही तर्क सोशल मीडिया पर लागू नहीं होना चाहिए? इससे जुड़े तथ्य दुनिया के सामने आज मौजूद है, फिर अनुभव भी यही बताता है कि सोशल मीडिया का असर कहीं अधिक व्यापक और कहीं अधिक गहरा है। यह न केवल आर्थिक नुकसान का कारण बनता है बल्कि मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक ताने-बाने और लोकतांत्रिक विमर्श के लिए भी गंभीर खतरा है। ऑस्ट्रेलिया का हालिया निर्णय इस संदर्भ में बेहद प्रासंगिक है। वहाँ संघीय सरकार ने ऐलान किया है कि 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को फेसबुक, इंस्टाग्राम, टिकटॉक, यूट्यूब, स्नैपचैट, रेडिट और एक्स जैसे प्लेटफॉर्म्स पर किसी भी रूप में सक्रिय रहने की अनुमति नहीं होगी। यह कानून आने वाले चार महीनों में लागू होगा और सोशल मीडिया कंपनियों को 10 दिसंबर तक सभी नाबालिग खातों को हटाना होगा। केवल इतना ही नहीं, इन कंपनियों को आयु सत्यापन की ऐसी प्रणाली लागू करनी होगी जिससे भविष्य में नाबालिग नए खाते न बना सकें। यह प्रतिबंध इतना कठोर है कि माता-पिता की अनुमति से भी बच्चों को इन प्लेटफ़ॉर्म्स तक पहुँचने की छूट नहीं दी जाएगी। ऑस्ट्रेलिया में यह निर्णय एकाएक नहीं लिया गया है, सोशल मीडिया ने बच्चों और किशोरों को जिस तरह की लत में जकड़ा है, उसने मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं को कहीं अधिक बढ़ा दिया है। आत्महत्या के मामलों में वृद्धि, अवसाद और चिंता जैसी बीमारियों का फैलाव और नींद के गंभीर संकट अब विश्व स्तर पर दर्ज किए जा रहे हैं। स्वाभाविक है ऑस्ट्रेलिया में यही सब कुछ बड़े स्तर पर देखा गया, जिसके बाद ऑस्ट्रेलियाई

सरकार इस निष्कर्ष पर पहुंची कि बच्चों को वास्तविक जीवन और डिजिटल जीवन के बीच संतुलन बनाना सिखाना होगा और इसके लिए कठोर कानून ही कारगर उपाय है। भारत के संदर्भ में स्थिति और भी गंभीर है। यहाँ युवाओं की संख्या सबसे अधिक है और इंटरनेट तक पहुँच अब गाँव-गाँव तक हो चुकी है। रिपोर्टों के अनुसार, भारतीय किशोर प्रतिदिन औसतन चार से पाँच घंटे सोशल मीडिया पर बिताते हैं। यह समय उनके अध्ययन, परिवार के साथ बिताए जाने वाले पलों और वास्तविक सामाजिक संबंधों से छीन लिया जाता है। जिस दौर में शिक्षा और कौशल विकास पर अधिक ध्यान देना चाहिए, उसी समय उनका मन टिकटॉक, इंस्टाग्राम रील्स और यूट्यूब शॉर्ट्स जैसी सतही चीज़ों में उलझा रहता है। सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव केवल समय की बर्बादी तक सीमित नहीं हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन और अनेक मानसिक स्वास्थ्य अध्ययनों ने स्पष्ट किया है कि इन प्लेटफ़ॉर्म्स का अत्यधिक प्रयोग अवसाद, चिंता और नींद की कमी का कारण बन रहा है। किशोरावस्था में यह मानसिक असंतुलन और भी खतरनाक रूप ले लेता है। भारत जैसे देश में, जहाँ मानसिक स्वास्थ्य सुविधाओं की भारी कमी है, वहाँ यह समस्या एक राष्ट्रीय संकट से किसी भी स्तर पर कम नहीं मानना चाहिए।

इसके अतिरिक्त, सोशल मीडिया बच्चों के लिए आर्थिक शोषण का कारण भी बन रहा है। "इन-ऐप परचेज़" और "वर्चुअल गिफ्टिंग" जैसी व्यवस्थाओं ने नाबालिगों को पैसे खर्च करने की आदत डाल दी है। कई बार यह खर्च उनकी आर्थिक क्षमता से कहीं अधिक होता है, जिससे परिवारों पर बोझ पड़ता है। सांस्कृतिक दृष्टि से भी यह प्रवृत्ति चिंताजनक है। हिंसा, अश्लीलता और असंस्कारी कंटेंट ने किशोरों के मन-मस्तिष्क को गहराई से प्रभावित किया है और पारंपरिक भारतीय मूल्यों से उन्हें दूर कर दिया है।यदि भारत ने ऑनलाइन गेमिंग पर सख्ती दिखाते हुए रियल मनी गेमिंग को पूरी तरह प्रतिबंधित किया है तो अब समय है कि वही दृष्टिकोण सोशल मीडिया पर भी अपनाया जाए। इसके लिए सरकार को सबसे पहले आयु-आधारित प्रतिबंध लागू करना चाहिए। 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पूर्ण रोक लगाई जाए और 16 से 18 वर्ष तक के किशोरों के लिए प्रतिदिन अधिकतम एक घंटे की सीमा तय की जाए। कंपनियों पर यह जिम्मेदारी डाली जाए कि वे आयु सत्यापन और स्क्रीन टाइम नियंत्रण सुनिश्चित करें। साथ ही, हानिकारक सामग्री के प्रसार पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए। एल्गोरिद्म आधारित "डोपामीन ट्रैप" यानी बार-बार दिखाए जाने वाले शॉर्ट वीडियो, रील्स और ट्रेंड्स को सीमित किया जाना चाहिए क्योंकि ये युवाओं को लगातार स्क्रीन से चिपकाए रखते हैं। इस दिशा में यूरोप और अमेरिका में भी बहस चल रही है, लेकिन भारत को ऑस्ट्रेलिया की तरह ठोस कदम उठाने होंगे। शिक्षा और जागरूकता का पहलू भी उतना ही महत्वपूर्ण है। स्कूलों में डिजिटल साक्षरता और सोशल मीडिया व्यसन पर अध्याय जोड़े जाने चाहिए ताकि बच्चों को छोटी उम्र से ही इन खतरों की समझ हो। साथ ही युवाओं को विकल्प उपलब्ध कराना भी जरूरी है। कला, खेल, संगीत, हस्तशिल्प और सामुदायिक गतिविधियाँ इसका अच्छा विकल्प हैं। इसके अलावा सरकार द्वारा सुरक्षित भारतीय सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म्स को प्रोत्साहित करना चाहिए जो ज्ञान, संवाद और रचनात्मकता पर आधारित हों। यदि भारत समय रहते इस दिशा में कदम उठाता है तो इसके दूरगामी लाभ होंगे। युवाओं का मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होगा, वे पढ़ाई और करियर पर अधिक ध्यान देंगे, परिवार और समाज में वास्तविक संबंध मजबूत होंगे और राष्ट्र की सांस्कृतिक दिशा सुरक्षित रहेगी। फेक न्यूज़ और नफ़रत की राजनीति का असर भी कम होगा और लोकतंत्र अधिक स्वस्थ बनेगा। यहां कहना यही है कि जैसे भारत ने ऑनलाइन गेमिंग पर सख्ती दिखाकर यह संकेत दिया है कि वह युवाओं के भविष्य को लेकर गंभीर है। अब आवश्यकता है कि यही दृष्टिकोण सोशल मीडिया पर भी अपनाया जाए। युवा पीढ़ी राष्ट्र की रीढ़ है। यदि उसे डिजिटल गुलामी, व्यसन और मानसिक असंतुलन की ओर धकेल दिया गया तो यह केवल परिवारों का नहीं, पूरे राष्ट्र का संकट होगा। इसलिए भारत सरकार को ऑस्ट्रेलिया के उदाहरण से प्रेरणा लेकर, अपने संदर्भ के अनुसार, कठोर और स्पष्ट नीति तुरंत लागू करनी चाहिए। यही समय की मांग है और यही आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है ।

विकसित भारत के लिए मोदी का सुधारों का ब्रह्मास्त्र

हरदीप एस पुरी

मुझे अपने स्कूल के दिनों से ही 15 अगस्त के भाषणों में भाग लेने का सौभाग्य प्राप्त होता रहा है, लेकिन शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी का 12वें स्वतंत्रता दिवस का भाषण अभूतपूर्व और असाधारण था। इसमें विकसित भारत के पथ पर भारत की गति बढ़ाने के दिशा में सीधे तौर पर लक्षित–ब्रह्मास्त्र-अर्जुन का अकाट्य पौराणिक अस्त्र - छोड़ा गया। वैश्विक अर्थव्यवस्था में व्याप्त असामान्य उथल-पुथल के दौर के बीच, विकसित भारत का सपना संजोए भारत सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में निरंतर आगे बढ़ना जारी रखे हुए है। यह भाषण केवल अपनी व्यापकता के लिए ही नहीं, बल्कि अपने दायरे— साहसिक, भविष्योन्मुखी और 1.4 बिलियन लोगों के भाग्य को नया आकार देने में सक्षम अगली पीढ़ी के सुधारों —और उस विजन के प्रति स्पष्टता के लिए भी उल्लेखनीय है, जिसका यह राष्ट्र इससे पहले कभी साक्षी नहीं रहा। उदाहरण के लिए, डिजिटल इंडिया स्टैक को ही लें, यूपीआई दुनिया के आधे रीयल-टाइम लेनदेन के लिए उत्तरदायी है और साल के अंत तक होने वाला, पहली मेड-इन-इंडिया चिप का लॉन्च, वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था में भारत की अग्रणी स्थिति को दर्शाता है। ऐसे समय में जब राष्ट्रों की नियति सेमीकंडक्टर निर्धारित करते हैं, महत्वपूर्ण तकनीकों पर संप्रभुता का भारत का यह दावा किसी डिजिटल स्वराज से कम नहीं है। ऊर्जा सुरक्षा लंबे समय से भारत के विकास की राह की सबसे बड़ी कमज़ोरी रही है। दशकों तक, झिझक और नो गो क्षेत्रों ने अन्वेषण को बाधित किया और आयात पर निर्भरता बढ़ा दी। वह दौर अब बीत चुका है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत ने ईईजेड में नो गो क्षेत्रों को लगभग 99 प्रतिशत तक कम कर दिया है, जिससे 10 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र ईएंडपी के लिए मुक्त हो गया है। ओएएलपी के साथ, इसने भारतीय और वैश्विक दिग्गजों, दोनों के लिए समान रूप से एक विशाल क्षेत्र खोल दिया है—हमारे हाइड्रोकार्बन बेसिन अब निष्क्रिय नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय प्रगति के लिए उपयोग में लाए जाएँगे। लाल किले की प्राचीर से घोषित ऐतिहासिक राष्ट्रीय गहरे जल अन्वेषण मिशन, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में एक महत्वाकांक्षी दूरदर्शी एजेंडा निर्धारित करता है। इस मिशन का लक्ष्य लगभग 40 वाइल्डकैट कुओं की ड्रिलिंग के माध्यम से 600-1200 मिलियन मीट्रिक टन तेल और गैस भंडारों का पता लगाना है। पहली बार, बंगाल की खाड़ी से लेकर अरब सागर तक भारत अपनी जटिल अपतटीय सीमाओं को व्यवस्थित रूप से खोलेगा, एक ऐसे ढाँचे के साथ जो सूखे कुओं की स्थिति में 80 प्रतिशत तक और व्यावसायिक खोज पर 40 प्रतिशत तक लागत की वसूली की अनुमति देकर निवेश के जोखिम को कम करता है। यह पहल एक व्यापक योजना का हिस्सा है, जिसके तहत 2032 तक घरेलू तेल और गैस उत्पादन को तिगुना बढ़ाकर 85 मिलियन टन और राष्ट्रीय भंडार को दोगुना करके एक से दो बिलियन टन के बीच किया जा सकता है। लगभग 8 मिलियन टन उत्पादन के बराबर, अतिरिक्त 100-250 बिलियन क्यूबिक मीटर गैस उपलब्ध कराने के लिए प्लग-एंड-प्ले आधार पर अपतटीय साझा बुनियादी ढाँचा बनाया जाएगा। ये सभी उपाय न केवल पहले से अटकी हुई खोजों का मुद्रीकरण करेंगे, बल्कि एक आत्मनिर्भर ईएंडपी इकोसिस्टम का निर्माण भी करेंगे, जहाँ स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं की हिस्सेदारी आज के 25-30 प्रतिशत से बढ़कर 70 प्रतिशत से अधिक हो जाएगी। यह आज़ादी के बाद से भारत का सबसे व्यापक अपस्ट्रीम सुधार है। साथ ही, ऊर्जा परिवर्तन के क्षेत्र में भारत वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनकर उभरा है। भारत 2030 के लक्ष्य से पाँच साल पहले ही 2025 तक 50 प्रतिशत स्वच्छ ऊर्जा के लक्ष्य तक पहुँच गया है। जैव ईंधन और हरित हाइड्रोजन प्रायोगिक स्तर से उत्पादन की ओर बढ़ रहे हैं; इथेनॉल मिश्रण और सीबीजी स्केल-अप एक नए ग्रामीण-औद्योगिक आधार का निर्माण कर रहे हैं; एलएनजी के बुनियादी ढाँचे का विस्तार जारी है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि असैन्य परमाणु ऊर्जा को निजी भागीदारी के लिए खोल दिया गया है। वर्तमान में, 10 नए परमाणु रिएक्टर चालू हैं, और भारत का लक्ष्य अपनी स्वतंत्रता के 100वें वर्ष तक अपनी परमाणु ऊर्जा क्षमता को दस गुना बढ़ाना है। यह महत्वाकांक्षी लक्ष्य 2047 तक ऊर्जा स्वतंत्रता प्राप्त करने की भव्य योजना का हिस्सा है। प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन की घोषणा हमारी औद्योगिक रणनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। ऐसे समय में जब दुनिया लिथियम, दुर्लभ मृदा तत्व , निकल और कोबाल्ट के सामरिक महत्व को पहचान रही है, भारत ने 1,200 से अधिक स्थलों पर अन्वेषण शुरू किया है और साझेदारी, प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण का ढाँचा तैयार कर रहा है ताकि नवीकरणीय ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, ईवी और उन्नत रक्षा क्षेत्र कभी भी बाहरी अवरोधों के अधीन न रहें। राष्ट्रीय सुरक्षा लाल किला चार्टर का एक अन्य स्तंभ था। ऑपरेशन सिंदूर ने परमाणु ब्लैकमेल के युग का अंत करते हुए वास्तविक समय में भारत की सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया और यह संदेश दिया कि आक्रमण का जवाब तेज़ी और कुशलता से दिया जाएगा। सिंधु जल संधि को स्थगित करना संप्रभुता का साहसिक दावा है। सबसे बढ़कर, मिशन सुदर्शन चक्र का अनावरण, युद्धभूमि में भगवान श्री कृष्ण द्वारा अर्जुन की रक्षा से प्रेरित है, जो मोदी की शैली— सभ्यतागत प्रतीकवाद के अत्याधुनिक तकनीक से मेल का प्रतीक है। एक बहुस्तरीय स्वदेशी सुरक्षा कवच भारत के महत्वपूर्ण संस्थानों की साइबर, भौतिक और हाइब्रिड खतरों से रक्षा करेगा। प्रधानमंत्री ने हमारे लड़ाकू विमानों को शक्ति प्रदान करने वाले इंजनों के डिज़ाइन और निर्माण के लिए एक राष्ट्रीय चुनौती जारी की है, और वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और संस्थानों से संयोजन या असेंबली से ऑथरशिप तक की छलांग लगाने का आह्वान किया है। प्रधानमंत्री ने कठोर सत्यों से भी परहेज नहीं किया। उन्होंने उद्योग जगत और किसानों से आत्मनिर्भरता अपनाने और उर्वरकों का संतुलित उपयोग करने का आग्रह किया। हालाँकि भारत दुनिया की फार्मेसी है, जो वैश्विक टीकों का 60 प्रतिशत का उत्पादन करता है, अब इसे नई दवाओं, टीकों और उपकरणों के क्षेत्र में भी अग्रणी बनने की दिशा में अग्रसर होना चाहिए। यह बायोई3 नीति के तहत बायोफार्मा को निर्णायक बल देने के साथ-साथ है, जहाँ हमारी महत्वाकांक्षा ऐसी दवाओं का पेटेंट और उत्पादन करना है जो किफायती और विश्वस्तरीय दोनों हों। घोषित किए गए कर और कानूनी सुधार भी उतने ही साहसिक हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि 1961 का आयकर अधिनियम, जो स्वयं उस युग का अवशेष है, अब बदला जा रहा है। नया आयकर विधेयक जटिलता को कम कर रहा है, 280 अनावश्यक धाराओं को समाप्त कर रहा है और 12 लाख रुपये तक की राहत प्रदान कर रहा है।

आज का राशिफल

मेष राशि: आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। आज आपको नई जानकारी मिलेगी आपके लिए यह जानकारी भविष्य के लिये फायदेमंद साबित होगी। आज आलस्य व सुस्ती छोड़कर काम में मन लगाने की जरूरत है, आज आप मार्केट से कोई मनपसंद सामान खरीदेंगे। बिजनेस बढ़ाने की योजनाओं पर अमल करने के लिए आज का दिन अच्छा है।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज प्रैक्टिकल सोच रखेंगे तो आपके संतुलित रवैया से फायदा मिलेगा, लोगों का व्यवहार आपके प्रति अच्छा रहेगा। आज थोड़ा समय एकांत में या किसी धार्मिक स्थान पर बिताएंगे। इस राशि की महिलाएं अपने बिजनेस में एक्टिव रहेंगी, आपको ज्यादा धनलाभ भी होगा।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आपके तय किए काम समय से पूरे होते हुए नजर आ रहे हैं, साथ ही कुछ काम वक्त से पहले पूरे करने की वजह से खुद के लिए प्रसन्नता मिलेगी। लोगों के विचार और आपके बारे में बोली गई बातों के कारण आप मन ही मन परेशान हो सकते है, लेकिन यह समय धैर्य पूर्वक काटने से जल्द ही सब कुछ नार्मल हो जायेगा।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। कुछ लोग रुकावटें भी पैदा करेंगे। अफवाहों पर ध्यान न देकर अपने कामों पर फोकस करें। निश्चित तौर पर आपको सफलता मिलेगी। आज बिजनेस में बहुत संजीदगी और गंभीरता से काम करने की जरूरत है। बिजनेस बढ़ाने की योजनाओं पर एक बार फिर से विचार करें।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज पुरानी गलती दोबारा न हो, इस बात का ध्यान रखना आपके लिए आवश्यक होगा। आपका जीवन प्रगति की ओर बढ़ रहा है, नई जिम्मेदारियों के लिए आप खुद को तैयार करेंगे। आज अपनी कार्यक्षमता के अनुसार आपको कुछ बड़े अवसर भी मिल सकते हैं।

कन्या राशि: आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप संतान के करियर की समस्याओं को किसी अनुभवी और जानकार की मदद से सुलझा लेंगे। थोड़ी विपरीत परिस्थितियां भी बनेंगी। आज किसी से विवाद की स्थिति में अपने गुस्से पर काबू रखें। आज लम्बी यात्रा का प्रोग्राम प्रोग्राम बन सकता है। जोखिम भरे कामों से दूर रहें।

तुला राशि: आज आपका खुशहाल रहेगा। काम को पूरा करने में आ रही अड़चन आज समाप्त होंगी। इस राशि की महिलाएं जो घर पर ही कोई बिजनेस करने की सोच रही है, उनके लिए आज का दिन अच्छा है। किसी भी काम को करने में जल्दबाजी न करें, अन्यथा वह काम दोबारा करना पड़ सकता है।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन अच्छा गुजरने वाला है। इस राशि के स्टूडेंट किसी टॉपिक में उलझ सकते हैं, बेहतरी के लिए आप किसी से हेल्प ले सकते हैं। आज आपके मन में शुभ विचारों का उदय होगा। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है समाज हित में किये गये कामों की तारीफ़ हो सकती है। आज आपको उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर पॉजीटिव रिस्पॉन्स मिलेगा। आपको कुछ नया करने की उत्सुकता बढ़ेगी।

धनु राशि: आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। राजनीति से जुड़े लोगों को आज कोई भी निर्णय लेने से पहले उसपर गहन विचार कर लेना चाहिए। किसी पुरानी बात को लेकर आप तनाव की स्थिति में आ सकते हैं। अपने जीवनसाथी को किसी मामूली बात पर डांटने की बजाय विनम्रता से समझाएं जिससे अंडरस्टैंडिंग बढ़ेगी। इस राशि के अविवाहितों के चल रही रिश्ते की बात जल्द पक्की हो जाएगी।

मकर राशि: आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। आज आप कोइ नया हुनर सीखेंगे। परिवार में किसी सदस्य से आपको अच्छी सलाह मिलेगी। आज आपके घर में मेहमान आ सकते हैं, घर में खुशनुमा माहौल बना रहेगा। कृषकों के लिए दिन बढ़िया रहेगा। कृषि कार्यों में प्रगति होगी आज अगर कोई नया काम शुरू करना चाहते हैं तो आपको सफलता जरुर मिलेगी। प्रतियोगी क्षेत्र में आपको आगे बढ़ने का मौका मिलेगा।

कुम्भ राशि: आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। लम्बे समय से सोचा हुआ काम आज पूरा हो जाएगा, जिसके प्रभाव से आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आएगा। माता के साथ धार्मिक कार्यो में मन लगाने से शांती मिलेगी। शाम का समय परिवार वालों के साथ अच्छा बीतेगा। दाम्पत्य जीवन में आपसी ताल मेल बना रहेगा। अपनी गलतियों से सीखकर आगे बढ़ने की प्रेरणा आपको मिलेगी।

मीन राशि: आज आपका कॉन्फिडेंस बढ़ा रहेगा। इस राशि के बिजली विभाग के कर्मचारियों का आज दिन अच्छा रहेगा। जॉब की तलाश कर लोगों को अच्छी जॉब मिलने के योग हैं। आज आप दूसरों की जरूरतों और भावनाओं को लेकर सेंसिटिव हो सकते हैं। काम में मन लगेगा आपको परिवार से सहयोग और सफलता मिलती रहेगी।

दिल्ली को बचाना और बनाना ही दिल्ली की नई सरकार की जिम्मेदारी

मनोज कुमार मिश्र

इसी 17 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना) को करोड़ों की लागत से बनी दो बड़ी सड़कों का सौगात देते हुए कहा कि आने वाले दिनों में दिल्ली को विकास मॉडल बनाएंगे। इससे पहले भी दिल्ली पर यातायात का दबाव घटाने के लिए मोदी सरकार ने ईस्टर्न पेरिफेरियल एक्सप्रेसवे, वेस्टर्न पेरिफेरियल एक्सप्रेसवे, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे और दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे बनाया। दिल्ली मेट्रो रेल दिल्ली और एनसीआर में 295 किलोमीटर तक बन चुका है। चौथे चरण में इसमें 65 किलोमीटर और जुड़ जाएगा। दिल्ली मेट्रों से हर रोज यात्रा करने वालों की औसत संख्या पचास लाख से ऊपर है। यह संख्या 70 लाख भी पार कर जाती है। दिल्ली-मेरठ नमो भारत रेल कोरिडोर के बाद दिल्ली- करनाल और दिल्ली- अरवल कोरिडोर बनने वाला है। इनसे यातायात सुगम होने के साथ-साथ इस इलाके का प्रदूषण भी कम होगा। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में यमुना की सफाई के प्रयास और गरीबों को पक्के मकान मिलने आदि का उल्लेख किया। जाहिर है कि केन्द्र से लेकर दिल्ली नगर निगम में भाजपा का ही शासन होने से दिल्ली को संवारने का दिल्ली की सरकार के पास भरपूर अवसर है। इन सभी के साथ-साथ 1985 में बनते ही दम तोड़ चुकी एनसीआर परियोजना पर नए सिरे से काम करने की जरूरत है। जिस रफ्तार से दिल्ली और एनसीआर की राजधानी की आबादी बढ़ रही है, उसमें इसे बचाने और बनाने के लिए कुछ कठोर फैसले लेने होंगे। दिल्ली की समस्या यह है कि दिल्ली का अपना ज्यादा कुछ नहीं है। मौसम भी पड़ोसी राज्यों पर निर्भर है। इतना ही नहीं दिल्ली अपनी जरूरत के संसाधनों के लिए भी दूसरे राज्यों पर निर्भर है। 1911 में दिल्ली देश की राजधानी बनी, आज इसकी आबादी करीब ढाई करोड़ है और एनसीआर की कुल आबादी की करीब साढ़े चार करोड़ हो गई है। एनसीआर की आबादी भी मूल रूप से दिल्ली की आबादी ही है। दिल्ली से बाहर बसने वाले ज्यादातर लोग आज भी दिल्ली से ही जुड़े हुए हैं। उनमें ज्यादातर के कारोबार या नौकरी दिल्ली में ही है। राजधानी बनने के बाद 1915 में यमुना पार के 65 गांव दिल्ली में जुड़े। तब से दिल्ली का इलाका 1483 किलोमीटर ही बना हुआ है। निकट भविष्य में इसमें बढ़ोतरी होने की संभावना नहीं दिख रही है। दिल्ली की शासन व्यवस्था कम अधिकारों वाली विधानसभा, नगर निगम, महानगर परिषद से 1993 में विधानसभा बनने तक बदलती रही। अभी भी दिल्ली केन्द्र शासित प्रदेश है और जमीन और पुलिस केन्द्र सरकार के अधीन है। दिल्ली को विकसित करने की जिम्मेदारी दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को दी गई। 1959 से डीडीए लगातार दिल्ली का मास्टर प्लान बनाती रही है और दिल्ली में लगातार अनधिकृत कालोनी बनती गई। आज हालात ऐसे बन गए कि इन अनधिकृत निर्माण से दिल्ली नियोजित कम और अनियोजित ज्यादा बस गई। वोट और नोट की राजनीति में राजनीतिक दल के नेता भू माफिया, पुलिस और सरकारी भ्रष्ट कर्मचारियों के सहयोगी बन गए हैं। दिल्ली पर से आबादी का दबाव घटाने और अब बेकार मानी जाने वाली डीडीए को सहयोग देने के लिए डीडीए की तरह केन्द्रीय शहरी विकास मंत्रालय के अधीन एनसीआर बनाने की योजना तो 1962 में ही बनी लेकिन उसका गठन 1985 में हो पाया। केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री इसके अध्यक्ष और दिल्ली के उप राज्यपाल के अलावा उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के मुख्यमंत्री इसके सदस्य बनाए गए। एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी इसके सदस्य सचिव होते हैं। दिल्ली में एसडीएम से लेकर मुख्य सचिव के पद पर रहने वाले वरिष्ठ आईएएस अधिकारी ओमेश सहगल बोर्ड के सदस्य सचिव भी थे। सदस्य सचिव रहते हुए 1996 में उन्होंने एक मुलाकात में कहा था कि एनसीआर योजना तो फेल हो गई। योजना पर कार्यान्वयन देरी से शुरू हुआ। 1985 में बोर्ड बनने पर 2001 की आबादी को लक्ष्य मानकर 1988 में काम शुरू हुआ तब तक योजना से ज्यादा आबादी हो गई थी। एनसीआर के शहरों और दिल्ली के बीच में एक किलोमीटर का गलियारा हरियाली के लिए छोड़ना था। यानी एनसीआर बसना था दिल्ली से हट कर, वे बस गए दिल्ली से सटकर। इतना ही नहीं दिल्ली में एक तरह से हर किसी को हर जगह अवैध निर्माण की छूट दे दी गई। जो योजनाएं पहले से बनी उसमें खामियां ही खामियां हैं। दुनिया के सबसे महंगे इलाके कनाट प्लेस में हर वर्ग के सरकारी कर्मचारियों के लिए फ्लैट बना दिए गए। यह तो मान भी लिया जाए कि गरीब लोगों को खाली जगह पर मुफ्त में सरकार आवास उपलब्ध करवाए लेकिन अमीरों की कई-कई करोड़ की एक-एक अवैध सैनिक फार्म हाऊस को भी न तोड़ा जाए, यह समझ से परे है। इतना ही नहीं, इसके लिए अदालत से संरक्षण लिया जाए तो भला दिल्ली अवैध निर्माणों से कैसे बच सकती है। यह तो तय सा मान लिया गया है कि डीडीए अपना काम करने में विफल रही। न तो उसने ठीक से योजना बनाई और न ही दिल्ली की हजारों एकड़ जमीन की रक्षा कर पाई। कई प्रयास के बावजूद डीडीए के अधिकारी यह तक नहीं बता पाते कि उनकी कितना जमीन पर कब्जा है और कितने वे कब्जे से छुड़ा पाए हैं। डीडीए से भी बुरा हाल तो एनसीआर योजना बोर्ड का है। अब तो उसे केवल कागजों में ही मान लिया गया। 1985 में इसके गठन के समय इसे दिल्ली के 1483 के अलावा हरियाणा के छह जिलों के 13,413, उत्तर प्रदेश के चार जिलों के 10,885 और राजस्थान के 4,493 यानी 30, 240 वर्ग किलोमीटर इलाके को एनसीआर में शामिल किया गया। तब योजना थी कि 2001 में 20 लाख आबादी को इन इलाकों में भेजा जाए। इसके लिए इन सभी जगहों में दिल्ली जैसी सुविधा उपलब्ध कराई जाए। इन्हें चार क्षेत्रों में बांटा गया था। हर क्षेत्र के लिए विस्तार से योजनाएं बनाई गई थी। इन इलाकों में स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार के अवसर बढाने के साथ-साथ आवागमन सुलभ कराना प्रमुख था। केन्द्र सरकार के अनेक दफ्तर भी दिल्ली से हटाने थे। इसमें कुछ तो सफलता मिली लेकिन अनियोजित तरीके से काम होने के चलते बहुत लाभ नहीं हुआ। इसके अलावा इन राज्यों के अनेक शहरों को भी मेगनेट (चुंबक) सेंटर की तरह विकसित किया जाना था। तब 2001 में जो आबादी होने का अनुमान लगाया गया था, योजना के शुरू होने के समय ही दिल्ली की आबादी उतनी हो गई थी। ऐसा नहीं है कि बोर्ड की पूरी कवायत बेकार हो गई। अगर दिल्ली सरकार इस पर केन्द्र सरकार से ठीक से पहल करवाए तो लक्ष्य हासिल हो पाएगा। एनसीआर के हर राज्य की जरूरत इस योजना पर ठोस काम कराने की है लेकिन सबसे ज्यादा जरूरत दिल्ली को है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

फ्रांसीसी फॉरवर्ड ह्यूगो एकिटिके अब लिवरपूल की ओर से खेलते हुए नजर आयेंगे

लंदन । फ्रांसीसी फॉरवर्ड ह्यूगो एकिटिके अब फुटबॉल क्लब लिवरपूल की ओर से खेलते हुए नजर आयेंगे। प्रीमियर लीग विजेता लीवरपूल ने ने आइंट्राख्ट फ्रैंकफर्ट के स्ट्राइकर एकिटिके से करार किया है। यह सौदा करीब 79 मिलियन पाउंड में हुआ। लिवरपूल ने इस फैसले की घोषणा सोशल मीडिया पर की और कहा कि उसने फ्रैंकफर्ट के फॉरवर्ड एकिटिके के ट्रांसफर के लिए एक करार किया है। क्लब ने कहा कि एकिटिके मेडिकल टेस्ट में पास हो गये हैं और लिवरपूल के साथ व्यक्तिगत शर्तों पर भी वह तैयार हैं। अब वह इस सप्ताह के अंत में एशिया के प्री-सीजन दौरे पर हांगकांग जा सकेंगे। लिवरपूल के नए मैनेजर आर्ने स्लॉट के अनुसार ये चौथा बड़ा ट्रांसफर है। इससे पहले क्लब ने फ्लोरियन विट्र्ज को करीब 110 मिलियन पाउंड में खरीदा था। उनके अलावा डिफेंडर मिलोस केरकेज और जरेमी फ्रिमपोंग से भी करार किया। फ्रांसीसी फॉरवर्ड ह्यूगो एकिटिके, किसी भी पोजीशन पर खेल सकते हैं। उन्होंने पिछले सीजन में 48 मैचों में 22 गोल किए और एक दर्जन से अधिक गोलों में सहायोग दिया। लिवरपूल ने इस ट्रांसफर विंडो में अब तक 250 मिलियन पाउंड से ज्यादा खर्च कर दिए हैं। वहीं डार्विन नुनेज के भी क्लब छोड़ने की संभावना है। इसके अलावा फेडेरिको कियेसा को टीम के एशिया टूर के प्री-सीजन स्क्वाड में शामिल नहीं किया गया, जिससे यह संकेत मिलता है कि वह भी क्लब से बाहर जा सकते हैं। कुछ दिन पहले लिवरपूल ने यह ऐलान किया कि उन्होंने कई मजबूत दावेदारों को पीछे छोड़ते हुए एकिटिके के ट्रांसफर पर समझौता कर लिया है। सोमवार को क्लब की ओर से जारी बयान में कहा गया, रेड्स और जर्मन टीम ने एक ट्रांसफर डील की, जिसकी कीमत 6.9 करोड़ पाउंड और 1 करोड़ पाउंड अतिरिक्त होने की बात कही जा रही है। 23 वर्षीय फ्रांसीसी खिलाड़ी एकिटिके मेडिकल जांच कराने और मैनेजर आर्ने स्लॉट की टीम के साथ लंबे समय के कॉन्ट्रैक्ट को अंतिम रूप देने के लिए मर्सीसाइड पहुंच गए। वहीं इससे पहले शनिवार को फ्रैंकफर्ट के प्री-सीजन मैत्री मैच में एकिटिके बेंच पर रहे और मैदान में नहीं उतरे, क्योंकि उनके भविष्य को लेकर बातचीत जारी थी।

पाकिस्तान से मैच का फैसला बीसीसीआई के हाथ में , खिलाड़ियों को कुछ न कहें : गावस्कर

मुम्बई । अगले महीने एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच का विरोध होना शुरु हो गया है। प्रशंसकों के साथ ही कई पूर्व क्रिकेटर भी इस मैच के बहिष्कार की मांग कर रहे है। इनका कहना है कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद अब पाक से किसी भी स्तर पर क्रिकेट नहीं खेलना चाहिये। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने भी इस मैच का कड़ा विरोध किया है। हाल में भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटरों ने पाकिस्तान के खिलाफ हुई विश्व क्रिकेटरर्स लीग में भी पाक के मैच का बहिष्कर किया था। इसी बीच कुछ लोगों ने भारतीय टीम के खिलाड़ियों की चुप्पी पर भी सवाल उठाये हैं। इसी को देखते हुए महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर खिलाड़ियों के बचाव में सामने आये हैं। गावस्कर ने एशिया कप में हिस्सा लेने के लिए खिलाड़ियों की आलोचना नहीं करने को कहा है। उन्होंने कहा कि टीम के खिलाड़ी इस मामले में कोई फैसला नहीं ले सकते हैं। इसका अधिककार केवल क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को है। खिलाड़ी केवल भारत सरकार के निर्देशों का ही पालन कर रहे हैं। गावस्कर ने कहा है, 'अगर सरकार ने कोई फैसला लिया है तो मुझे नहीं समझ आता कि कैसे खिलाड़ियों की आलोचना की जा सकती है या उन पर टिप्पणियां हो सकती हैं। खिलाड़ियों का तो बीसीसीआई से करार है और बोर्ड को भारत सरकार से निर्देश मिल रहे होंगे। इसलिए सबकुछ तो उन पर निर्भर कर रहा।' इस पूर्व कप्तान ने कहा, खिलाड़ी इस मामले में बेबस हैं। उन्हें एशिया कप में खेलने के लिए चुना गया है और अगर सरकार कहती है कि आपको खेलना है तो वे जाएंगे और खेलेंगे। अगर सरकार कहती है कि नहीं, तब बीसीसीआई उसके हिसाब से कदम उठाएगा, खिलाड़ी अपने से कोई फैसला नहीं कर सकते। गावस्कर का लगता है कि इस मुद्दे पर गेंद पूरी तरह सरकार के पाले में हैं। उन्होंने आगे कहा, 'जैसा कि मैनें कहा, यह पूरी तरह भारत सरकार पर है कि बीसीसीआई को कहे कि क्या करना है।' एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट 9 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में शुरू हो रहा है, जिसका फाइनल 28 सितंबर को दुबई में खेला जाएगा। इसमें भारतीय टीम का पहला मुकाबला 10 तारीख को यूएई के खिलाफ है। वहीं 14 सितंबर को पाकिस्तान से वह मैच है जिसका विरोध हो रहा है। इस टूर्नामेंट में कुल 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं जिन्हें दो ग्रुप में बांटा गया है। इसमें भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में हैं।

बीसीसीआई ने चयन समिति के प्रमुख अगरकर का अनुबंध एक साल बढ़ाया

मुम्बई । एशिया कप के लिए भारतीय टीम के चयन के बाद ही बीसीसीआई ने मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर का अनुबंध जून 2026 तक बढ़ा दिया है। अगरकर के चयन समिति प्रमुख बनने के बाद भारतीय टीम ने भारत ने 2024 में टी20 विश्व कप और इस साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर आईसीसी ट्रॉफी जीती थी। अगरकर के कार्यकाल में ही भारतीय टेस्ट टीम भी बेहतर हुई है और उसने साल 2023 विश्व कप के फाइनल में स्थान बनाया था। इन सभी उपलब्धियों को देखते हुए ही अगरकर का अंनुबंध बढ़ाया गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार आईपीएल 2025 से पहले ही अगरकर के अनुबंध को बढ़ाने की बात हो गई थी, जिसे मंजूर कर लिया है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, अगरकर के कार्यकाल में भारतीय टीम को का टेस्ट और टी20 में प्रदर्शन अच्छा रहा। इसी कारण बोर्ड ने उनका अनुबंध एक साल के लिए बढ़ा दिया है। अगरकर ने भी ये प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। अगरकर के कार्यकाल में ही विराट कोहली और रोहित शर्मा ने टी20 और टेस्ट से संन्यास लिया जिससे भारतीय टीम इन प्रारुपों में दो नये कप्तान मिले। टेस्ट में शुभमन गिल जबकि टी20 में सूर्यकुमार यादव को यह जिम्मेदारी मिली और ये दोनो ही सफल रहे। वहीं रोहित-विराट अब एकदिवसीय में ही खेल रहे हैं और आने वाले समय में यहां भी बड़े बदलाव हो सकते हैं। देखना है कि इन दोनो को अगले विश्वकप तक के लिए जगह मिलती है या नहीं।

अक्षर को बिना किसी गलती के उपकप्तानी से हटाना निराशाजनक : कैफ

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल को बिना किसी गलती के टी20 टीम की उपकप्तानी से हटाना सही नहीं है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एशिया कप के लिए जो टीम चयनित की है उसमें अक्षर को हटाकर शुभमन गिल को उपकप्तानी दे दी गयी है।कैफ ने टी20 टीम में कुछ महीने पहले तक उपकप्तान रहे अक्षर को पद से हटाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए पूछा है कि उसकी गलती क्या थी? अक्षर को इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज में भारतीय टीम का उपकप्तान बनाया गया था। कैफ ने कहा है कि उम्मीद है कि अक्षर को उपकप्तान के पद से हटाने के बारे में पहले बता दिया गया होगा। अक्षर ने कुछ भी गलत नहीं किया था और इसलिए वह जानने का अधिकारी था कि उससे क्यों जिम्मेदारी वापस ली गयी है। अक्षर ने अपने दमदार प्रदर्शन से टीम में अपनी जगह पक्की की है। उन्होंने 2024 टी20 विश्व कप में बेहतरीन प्रदर्शन किया था। वह इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे। तब उन्होंने चार ओवर में 23 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने फाइनल में बल्ले से भी कमाल दिखाते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 31 गेंद में 47 रन बनाये थे। अक्षर ही नहीं टीम में श्रेयस अय्यर और यशस्वी जायसवाल जैसे बल्लेबाजों को भी शामिल नहीं किये जाने से प्रशंसकों और दिग्गज क्रिकेटरों ने सवाल उठाये हैं।

एशिया कप के लिए शामिल नहीं किये जाने के बाद श्रेयस ने निराशा जतायी

नई दिल्ली । बल्लेबाज श्रेयस अय्यर एशिया कप 2025 के लिए टीम में जगह नहीं मिलने से निराश हैं। श्रेयस ने पिछले कुछ समय में शानदार प्रदर्शन किया था जिससे उनके चयन की उम्मीदें जतायी जा रही थीं पर ऐसा हुआ नहीं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को टूर्नामेंट के लिए जो 15 सदस्यीय टीम घोषित की है। उसमें श्रेयस का नाम नहीं था। श्रेयस ने इस साल आईपीएल में भी शानदार बल्लेबाजी करते हुए पंजाब किंग्स को उनके दूसरे सत्र के फाइनल में पहुंचाया और 175.07 की शानदार स्ट्राइक रेट से 600 से अधिक रन बनाए। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में भी उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। इसके बाद भी उन्हें टीम में जगह नहीं मिलने पर कई पूर्व क्रिकेटटरों और प्रशंसकों ने भी नाराजगी जतायी है। टीम चयन के बाद उनका उनकी पहली प्रतिक्रिया आई है। पंजाब किंग्स ने भी इसे साझा किया है। पंजाब किंग्स ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपने कप्तान का ये वीडियो साझा किया। उसने इसे 'सरपंच साब' कैप्शन दिया हैं। श्रेयस को उनके करीबी प्यार से सरपंच साब नाम से बुलाते हैं। वहीं इससे पहले चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने कहा था कि श्रेयस की कोई गलती नहीं थी। अभी टीम में जगह नहीं है इसलिए उसे जगह नहीं मिली। उसे अपने अवसर की प्रतीक्षा करनी होगी। अगरकर ने कहा, "श्रेयस के बारे में, मेरा कहना है कि उसकी गलती नहीं है, न ही हमारी। बस हमें इस समय 15 खिलाड़ियों का चयन करना है जो हमारे पास हैं। इसलिए उसे अपने मौके का इंतजार करना होगा।" गौरतलब है कि श्रेयस ने अंतिम बार दिसंबर 2023 में एक टी20आई मैच खेला था उसके बाद से ही वह जगह का इंतजार कर रहे हैं।

व्यापार

रियल मनी गेम्स बैन के खिलाफ गेमिंग इंडस्ट्री ने लगाई गुहार, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से हस्तक्षेप की मांग

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को ऑनलाइन स्किल गेमिंग संगठनों ने एक संयुक्त पत्र लिखकर भारत में सभी प्रकार के रियल मनी गेम्स (आरएमजी) पर प्रस्तावित पूर्ण प्रतिबंध के खिलाफ हस्तक्षेप की मांग की है। उद्योग ने चेतावनी दी है कि इस कदम से 400 से अधिक कंपनियां बंद हो सकती हैं और करीब 2 लाख से अधिक नौकरियां खतरे में पड़ सकती हैं। द ऑल इंडिया गेमिंग फेडरेशन (एआईजीएफ), द ई-गेमिंग फेडरेशन (ईजीएफ) और द फेडरेशन ऑफ इंडियन फैंटसी स्पोर्ट्स ने कहा है कि इस तरह का प्रतिबंध उद्योग के लिए 'सफाए की घंटी साबित होगा। उन्होंने गृह मंत्री से इस मसले पर बैठक का भी अनुरोध किया है। इन संगठनों का मानना है कि यदि वैध कंपनियां बंद होती हैं तो अवैध विदेशी जुआ संचालक और मटका नेटवर्क जैसे असुरक्षित और गैरकानूनी मंचों को बढ़ावा मिलेगा। इससे लाखों भारतीय उपयोगकर्ता असुरक्षित प्लेटफॉर्म की ओर मुड़ सकते हैं। भारत में वर्तमान में लगभग 50 करोड़ गेमर्स हैं और यह क्षेत्र 25,000 करोड़ रुपये से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित कर चुका है। इस उद्योग की प्रमुख कंपनियों में ड्रीम11, जंगली गेम्स, मोबाइल प्रीमियर लीग, हेड डिजिटल वर्क्स और नजारा टेक्नोलॉजीज शामिल हैं। सरकार ने हाल ही में एक मसौदा विधेयक तैयार किया है, जिसमें सभी ऑनलाइन मनी गेम्स से संबंधित लेनदेन को बैंकों और वित्तीय संस्थानों द्वारा प्रतिबंधित करने का प्रस्ताव है। उद्योग का कहना है कि इससे राज्य और केंद्र दोनों के कर राजस्व में कमी आएगी और डिजिटल अर्थव्यवस्था के प्रधानमंत्री मोदी के 1 लाख करोड़ डॉलर के लक्ष्य को भी ठेस पहुंचेगी। ऑनलाइन स्किल गेमिंग संगठनों का आग्रह है कि सरकार इस क्षेत्र को प्रतिबंधित करने के बजाय इसके नियमन और सुधार की दिशा में कदम उठाए।

रेलटेल को मिले 50 करोड़ के नए प्रोजेक्ट

शेयर प्राइस 400 रुपए से भी नीचे, स्टॉक पर रखें नजर

नई दिल्ली । रेलवे मंत्रालय की नवरत्न कंपनी रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (रेलटेल) को हाल ही में दो महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट मिले हैं, जिनकी कुल कीमत लगभग 50.42 करोड़ है। ओडिशा सरकार के उच्च शिक्षा विभाग से कंपनी को 15.42 करोड़ का वेबसाइट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट मिला है। इस प्रोजेक्ट के तहत विभाग के कॉलेजों के लिए बायलिंगुअल वेबसाइट्स डिजाइन और विकसित की जाएंगी। इस कार्य की समय सीमा 19 फरवरी 2026 निर्धारित की गई है। इसके अलावा, केरल स्टेट इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी मिशन ने रेलटेल को 34.99 करोड़ के कॉन्ट्रेक्ट के तहत राज्य के डेटा सेंटर्स के संचालन और रखरखाव का कार्य सौंपा है। यह प्रोजेक्ट पांच वर्षों तक चलेगा और इसे 18 अगस्त 2030 तक पूरा किया जाएगा। रेलटेल के शेयर आज 21 अगस्त 2025 को मामूली बढ़त के साथ 359.20 पर बंद हुए। कंपनी का मार्केट कैप 11,528 करोड़ से अधिक है और यह बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स का हिस्सा है। नए प्रोजेक्ट मिलने और मजबूत वित्तीय नतीजों के चलते निवेशकों की नजर रेलटेल पर बनी हुई है। कंपनी ने 28 जुलाई 2025 को पहली तिमाही वित्त वर्ष 26 के नतीजे घोषित किए, जिनमें ऑपरेटिंग इनकम 744 करोड़ रही, जो पिछले साल की समान तिमाही से 33 फीसदी अधिक है। कुल राजस्व 758 करोड़ पहुंच गया, जो 31 फीसदी की बढ़त दर्शाता है। कर पूर्व मुनाफा 89 करोड़ रहा, जिसमें 34 फीसदी की वृद्धि हुई है। वहीं, शुद्ध लाभ 66 करोड़ रहा, जो पिछले साल के 49 करोड़ से 35 फीसदी ज्यादा है। इन प्रोजेक्ट और वित्तीय प्रदर्शन के चलते रेलटेल के शेयरों पर निवेशकों की नजर बनी रहेगी।

भारत पर अमेरिकी दबाव के बीच रूस बोला– तेल सौदा बचाने तैयार है खास तंत्र

नई दिल्ली । रूस के प्रभारी राजदूत रोमन बाबुश्किन ने कहा कि अमेरिका द्वारा भारत पर रूसी कच्चे तेल की खरीद को लेकर दंडात्मक कार्रवाई करने की धमकी के बावजूद, रूस के पास इस चुनौती से निपटने के लिए एक विशेष तंत्र मौजूद है। बाबुश्किन ने यह बात एक संवाददाता सम्मेलन में कही, जहां उन्होंने भारत और रूस के बीच ऊर्जा, सैन्य उपकरण और अन्य क्षेत्रों में सहयोग को मजबूती से जारी रहने की उम्मीद जताई। अमेरिका ने हाल ही में भारत के खिलाफ आयात शुल्क को दोगुना कर 50 प्रतिशत करने का फैसला किया है, जिससे भारत-अमेरिका के संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। इस फैसले के तहत यदि भारत रूसी तेल खरीदना जारी रखता है, तो उसे भारी शुल्क देना पड़ सकता है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भी इस बात की चेतावनी दी थी कि ट्रंप प्रशासन भारत पर शुल्क बढ़ा सकता है। राजदूत बाबुश्किन ने अमेरिका के इस दबाव को अनुचित बताया और कहा कि रूस भारत का पसंदीदा साझेदार है, खासकर सैन्य उपकरणों की आपूर्ति में। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रतिबंध वैश्विक आर्थिक स्थिरता और ऊर्जा सुरक्षा के लिए हानिकारक हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि भारत-रूस के बीच ऊर्जा सहयोग और भी मजबूत होगा और दोनों देश मिलकर इस चुनौती का सामना करेंगे। इस बयान से स्पष्ट है कि रूस भारत के साथ रणनीतिक संबंध बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और अमेरिका के दंडात्मक कदमों के बावजूद, दोनों देशों के बीच साझेदारी को कमजोर नहीं होने देगा। ऊर्जा और रक्षा क्षेत्र में यह सहयोग दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण है और दोनों पक्ष इस रिश्ते को आगे बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं।

सोना 99,157 प्रति 10 ग्राम, चांदी 1,12,764 प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली । घरेलू वायदा बाजार में गुरुवार को सोने की कीमतों में मामूली गिरावट दर्ज की गई, जबकि चांदी की कीमतों में हल्की बढ़त देखी गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सुबह 3 अक्टूबर की एक्सपायरी वाला सोना 0.15 फीसदी गिरकर 99,157 प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। इसके पीछे कमजोर स्पॉट डिमांड, डॉलर की मजबूती और फेडरल रिजर्व चेयरमैन जेरोम पॉवेल के शुक्रवार को होने वाले जैक्सन हॉल भाषण से पहले निवेशकों की सतर्कता को वजह माना जा रहा है। वहीं एमसीएक्स पर 5 सितंबर एक्सपायरी वाली चांदी 0.19 फीसदी की तेजी के साथ 1,12,764 प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी। बुलियन मार्केट में भी इसी प्रकार के भाव देखे गए। इंडियन बुलियन ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार 24 कैरेट सोना 98,950 और 22 कैरेट सोना 96,570 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया। प्रमुख शहरों में भी हल्का उतार-चढ़ाव देखने को मिला। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 98,970 प्रति 10 ग्राम और चांदी 1,12,880 प्रति किलो बिक रही है। मुंबई में सोना 99,150 और चांदी 1,13,080 प्रति किलो रही। जयपुर और चेन्नई जैसे शहरों में भी इसी प्रकार के भाव दर्ज किए गए।

रुपया 14 पैसे मजबूत होकर 86.93 प्रति डॉलर पर

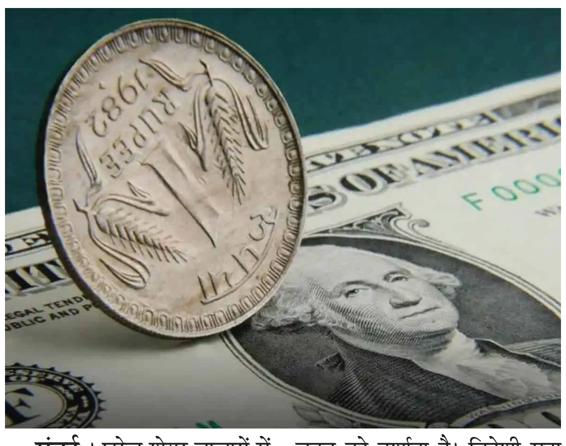

मुंबई । घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच गुरुवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 14 पैसे मजबूत होकर 86.93 प्रति डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 87.04 पर खुलने के बाद जल्दी ही 86.93 के शुरुआती उच्च स्तर तक पहुंच गया। यह पिछले बंद भाव 87.07 से 14 पैसे की बढ़त को दर्शाता है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि रूस और यूक्रेन के बीच शांति की उम्मीदों के चलते वैश्विक बाजारों में जोखिम उठाने की क्षमता बढ़ी है, जिससे रुपया मजबूती दिखा रहा है। वहीं, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति बताने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 फीसदी बढ़कर 98.30 पर पहुंच गया।

हॉरर से डर लगता था, लेकिन टीम की मदद से आसान हुआ सफर: प्राजक्ता कोली

कंटेंट क्रिएटर और अभिनेत्री प्राजक्ता कोली हालिया रिलीज साइकोलॉजिकल-हॉरर स्ट्रीमिंग सीरीज अंधेरा को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री का कहना है कि वह हॉरर या पैरानॉर्मल जॉनर से ज्यादा अवगत नहीं थीं, लेकिन उनकी टीम की मदद से सब कुछ मुमकिन हो गया। प्राजक्ता सीरीज में एक पैरानॉर्मल इन्वेस्टिगेटर की भूमिका निभा रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि वह हॉरर शैली से ज्यादा वाकिफ नहीं हैं। शो की शुरुआत में उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ा, लेकिन शो के निर्माता और निर्देशक की मदद से उन्होंने जल्दी ही खुद को संभाल लिया और अच्छा काम किया। अभिनेत्री ने बताया, मैं हॉरर जॉनर के लिए बिल्कुल नई थी; मैं डरावनी फिल्में या शोज नहीं देखती। इसलिए इसकी कहानी को अच्छे-से समझने के लिए शो के क्रिएटर गौरव और डायरेक्टर राघव सर से लंबी बातचीत करती थी। शूटिंग के दौरान सीन से पहले और सीन के बीच में अगर कोई सवाल होता था, तो हम खुलकर बात करते थे। सेट पर माहौल काफी शानदार था, जिससे मुझे काम करना आसान लगा। अभिनेत्री ने आगे कहा, मैं हमेशा से ही इस बारे में विचार करती हूं, कि अगर किसी सीन की शूटिंग करनी है, तो उससे संबंधित डायलॉग को गहराई के साथ समझें, इससे काम करने में आसानी हो जाती है। लेकिन इस सीरीज की शूटिंग के दौरान मुझे ज्यादा समझने में या विचार करने की जरूरत नहीं पड़ी और इसकी वजह थे, लेखक और डायरेक्टर। उन्होंने कहानी और किरदारों को इतनी अच्छी तरह से लिखा था कि हमें अपने रोल निभाने में आसानी हुआ। वैसे सच बताऊं तो, मैंने द कॉन्जुरिंग (हॉलीवुड फिल्म) के अलावा किसी भी पैरानॉर्मल इन्वेस्टिगेटर कहानी नहीं देखी है। अंधेरा मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित है और इसमें इंस्पेक्टर कल्पना कदम और मेडिकल स्टूडेंट जय की कहानी दिखाई गई है, जो एक लापता व्यक्ति के केस में उलझ जाते हैं। यह केस उन्हें शहर के नीचे छिपी एक भयावह शक्ति की ओर ले जाता है। यह सीरीज क्या होगा अगर अंधेरा जीवित हो जाए? जैसे काल्पनिक सवाल की खोज करती है। इसमें सुरवीन चावला और प्रिया बापट भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित और राघव दार द्वारा निर्देशित यह सीरीज प्राइम वीडियो पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है।

शादी के बंधन में बंधी अभिनेत्री जिया मानेक

टीवी की लोकप्रिय अभिनेत्री जिया मानेक, जिन्होंने सीरियल 'साथ निभाना साथिया' में गोपी बहू का किरदार निभाकर हर घर में अपनी खास पहचान बनाई थी, अब जीवन के नए सफर की शुरुआत कर चुकी हैं। जिया ने अपने बॉयफ्रेंड वरुण जैन के साथ सात फेरे लेकर शादी कर ली है। यह शादी बेहद निजी समारोह में हुई, जिसमें केवल परिवार और करीबी दोस्त ही शामिल हुए। शादी के बाद जिया और वरुण ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर कीं, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। सामने आई तस्वीरों में जिया पारंपरिक गोल्डन रंग की साड़ी में नजर आ रही हैं। वहीं वरुण ने क्लासी और सिंपल लुक में अपनी दुल्हन का हाथ थाम रखा है। दोनों की मुस्कान यह साफ बयां कर रही है कि वे अपने इस खास दिन को जी भरकर एन्जॉय कर रहे हैं। शादी की तस्वीरों के साथ जिया ने एक दिल को छू लेने वाला कैप्शन भी लिखा। उन्होंने लिखा, "भगवान और गुरु की कृपा और प्यार के साथ हम हमेशा के लिए एक-दूसरे का हाथ थाम चुके हैं। हाथों में हाथ और दिल से दिल मिलाकर। हम दो अच्छे दोस्त थे और आज पति-पत्नी बन गए हैं। इस दिन को खास बनाने वालों के प्यार, आशीर्वाद और शुभकामनाओं के लिए बहुत आभारी हूं। अब 'मिस्टर और मिसेज' के रूप में हंसी, यादें और हमेशा का साथ।" जैसे ही जिया ने यह पोस्ट शेयर की, सोशल मीडिया पर उनके फैंस और इंडस्ट्री के साथी कलाकारों ने उन्हें प्यार और शुभकामनाओं से सराबोर कर दिया। कई सेलेब्स ने कमेंट बॉक्स में उन्हें 'हैप्पी मैरिड लाइफ' की शुभकामनाएं दीं। जिया मानेक ने अपने करियर की शुरुआत छोटे पर्दे से की थी और 'साथ निभाना साथिया' में गोपी बहू का किरदार निभाकर रातों-रात मशहूर हो गई थीं। इसके बाद उन्होंने 'जीनी और जुजू' जैसे शोज में भी काम किया और अपनी एक्टिंग के साथ-साथ अपनी मासूमियत और सरलता से दर्शकों का दिल जीता। अब जिया की जिंदगी का यह नया अध्याय उनके फैंस के लिए भी खुशी की वजह बन गया है। हर कोई उन्हें और वरुण को ढेरों शुभकामनाएं दे रहा है कि उनकी जोड़ी यूं ही प्यार और खुशियों से भरी रहे।

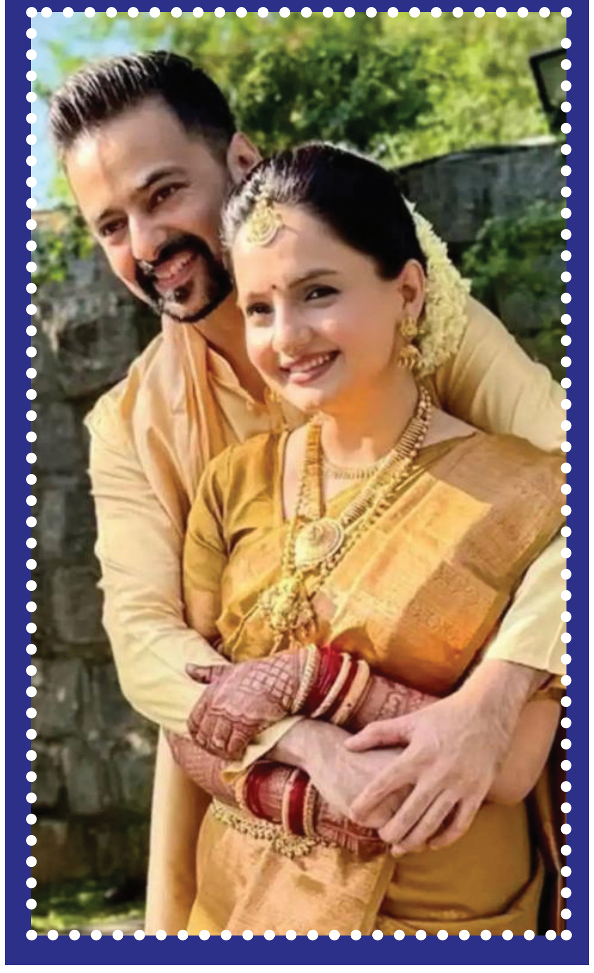

प्रभास बहुत बड़े स्टार, फिर भी पहले सी मासूमियत बरकरार: श्रीदेवी विजयकुमार

अभिनेत्री श्रीदेवी विजयकुमार निर्देशक वेंकटेश निम्मालापुडी की अपकमिंग तेलुगु फिल्म सुंदरकांड में नारा रोहित के साथ मुख्य भूमिका में फिर से वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि उनकी दोस्ती आज भी प्रभास के साथ वैसी ही है जैसी पहली थी। अभिनेत्री ने सुपरस्टार प्रभास की तारीफ की। उन्होंने बताया कि भले ही प्रभास आज बड़े पैन इंडिया स्टार बन चुके हैं, लेकिन उनकी दोस्ती आज भी पहले जैसी ही है। बता दें, श्रीदेवी विजयकुमार ने बतौर बाल कलाकार अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी, लेकिन प्रभास के साथ उनकी पहली फिल्म ईश्वर में उन्होंने मुख्य नायिका के रूप में डेब्यू किया था। इस फिल्म का निर्देशन जयंत सी. परांजी ने किया था। सुंदरकांड के प्रेस कॉन्फ्रेंस में श्रीदेवी से प्रभास के साथ उनकी दोस्ती के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, प्रभास के साथ मेरी दोस्ती आज भी पहले जैसी ही है। प्रभास अब एक बड़े स्टार बन चुके हैं, लेकिन वे जरा भी नहीं बदले। श्रीदेवी ने बताया कि प्रभास आज भी वैसे ही मुस्कुराते हैं और उसी मासूमियत से बात करते हैं जैसे पहले किया करते थे। उन्होंने बताया कि जब वे ईश्वर फिल्म कर रहे थे, तभी पूरी टीम को यह अहसास हो गया था कि प्रभास एक बहुत बड़े स्टार बनेंगे। एक्ट्रेस ने कहा, हम सबको ईश्वर के समय ही पता चल गया था कि प्रभास एक सुपरस्टार बनेंगे। जब हम फिल्म की सक्सेस टूर पर गए थे, तब वहां पर बड़ी भीड़ जमा हो गई थी। प्रभास हमारी उम्मीद से भी बड़े स्टार बन गए हैं। अपनी वापसी और फिल्म सुंदरकांड के बारे में श्रीदेवी ने कहा, मुझे दोबारा फिल्मों में आकर बहुत खुशी हो रही है। हर एक्टर चाहता है कि उसे एक अच्छा किरदार मिले। इस फिल्म में मेरा किरदार बहुत सार्थक है। दर्शक के तौर पर मुझे यह फिल्म बहुत पसंद आई। इसका आउटपुट कमाल का है। यह ताजा और नया कंटेंट है। सुंदरकांड का निर्माण संतोष चिन्नापोल्ला, गौतम रेड्डी और राकेश महंकाली द्वारा संदीप पिक्चर पैलेस (एसपीपी) बैनर के तहत किया जा रहा है। यह फिल्म 27 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बागी-4 का रोमांटिक गाना 'गुजारा' रिलीज, फैंस का जीता दिल

बॉलीवुड फिल्म 'बागी-4' में जबर्दस्त अभिनय को लेकर अभिनेता टाइगर श्रॉफ जबरदस्त चर्चा में हैं। फिल्म का टीजर हाल ही में लॉन्च हुआ था। अब फिल्म का पहला रोमांटिक गाना 'गुजारा' रिलीज कर दिया गया है। यह गाना आज टी-सीरीज के यूट्यूब चैनल पर जारी हुआ, जिसने रिलीज के साथ ही फैंस का दिल जीत लिया। इस गाने में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आ रही हैं मिस यूनिवर्स रह चुकीं हरनाज संधू। दोनों के बीच की रोमांटिक केमिस्ट्री ने दर्शकों को बेहद प्रभावित किया है। गाने की कहानी रॉनी यानी टाइगर श्रॉफ और उनकी प्रेमिका के इर्द-गिर्द घूमती है। रॉनी अपने प्यार के लिए किसी भी हद तक जाने और सब कुछ कुर्बान करने को तैयार दिखते हैं। इससे साफ हो गया है कि फिल्म में एक्शन और ड्रामा के साथ-साथ एक खूबसूरत लव स्टोरी भी देखने को मिलेगी। 'गुजारा' गाना रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगा। दर्शकों ने इसकी धुन, बोल और रोमांटिक अंदाज की जमकर तारीफ की। इसे आवाज दी है जोश बरार और परंपरा ठाकुर ने, जबकि इसके बोल जगदीप और कुमार ने लिखे हैं। संगीतकार हैं सलामत अली मतोई और जोश बरार। गाने की शूटिंग शानदार लोकेशंस पर हुई है, जो इसे और भी आकर्षक बना देती है। फिल्म की कहानी और पटकथा लिखी है साजिद नाडियाडवाला ने, जबकि निर्देशन की जिम्मेदारी ए. हर्ष के पास है। मेकर्स का कहना है कि 'बागी-4' अब तक की सबसे बड़ी और रोमांचक किस्त होगी, जिसमें धमाकेदार एक्शन, इमोशंस और अराजकता से भरी कहानी देखने को मिलेगी। गाने की सफलता पर गायक जोश बरार ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, "जब पहली बार यह गाना साजिद नाडियाडवाला और भूषण कुमार ने सुना, तब ही उन्होंने तय कर लिया था कि इसे 'बागी-4' में जगह दी जाएगी।

66 की उम्र में नीना गुप्ता का शॉर्ट्स लुक, ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री नीना गुप्ता उन सितारों में शुमार हैं, जिन्होंने अपने काम और जीवनशैली से यह साबित किया है कि उम्र महज एक अंक है। 66 साल की उम्र में भी नीना अपने कॉन्फिडेंस, स्टाइल और बिंदास अंदाज के लिए चर्चा में रहती हैं। लेकिन अक्सर उनका यह अंदाज उन्हें सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का शिकार भी बना देता है। हाल ही में एक बार फिर ऐसा ही हुआ, जब नीना ने अपने एयरपोर्ट लुक का वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया। इस वीडियो में नीना गुप्ता बेहद कैजुअल अंदाज में शॉर्ट्स और शर्ट पहने दिखाई दीं। जहां उनके कई प्रशंसकों ने उनके इस लुक की तारीफ की, वहीं कुछ यूजर्स ने उन पर निशाना साधते हुए भद्दे कमेंट्स भी किए। नीना ने वीडियो के साथ कैप्शन लिखा, 'शॉर्ट्स वाली देसी लड़की।' नीना ने ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया। उन्होंने लिखा, "चिंता मत करो। जो लोग इस तरह की बातें करते हैं, दरअसल वे खुद जलनखोर होते हैं कि उनकी बॉडी इतनी अच्छी नहीं है। इसलिए उनकी बातों पर ध्यान मत दो।" नीना का यह जवाब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैन्स उनके कॉन्फिडेंस की जमकर तारीफ कर रहे हैं। कई यूजर्स ने उन्हें सपोर्ट करते हुए लिखा कि नीना जैसी शख्सियतें ही साबित करती हैं कि सेल्फ-लव और आत्मविश्वास किसी भी उम्र में सबसे बड़ी खूबसूरती है। काम की बात करें तो नीना गुप्ता पिछली बार फिल्म 'मेट्रो... इन दिनों' में नजर आई थीं। इसमें उनकी जोड़ी अनुपम खेर के साथ बनी थी। हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा कमाल नहीं दिखा पाई, लेकिन नीना के अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों दोनों ने सराहा। आज नीना गुप्ता न सिर्फ एक अभिनेत्री के रूप में बल्कि एक प्रेरणा के रूप में भी देखी जाती हैं। उनकी हिम्मत और ट्रोल्स को बेबाकी से जवाब देने का अंदाज यह साबित करता है कि समाज चाहे जितना भी तंज कस ले, असली जीत उस इंसान की होती है जो अपनी शर्तों पर जिंदगी जीना जानता है।

बालों की तेजी से वृद्धि के लिए जरूरी हैं ये 5 विटामिन, डाइट में करें शामिल

बालों की तेजी से वृद्धि के लिए विटामिन्स अहम भूमिका निभाते हैं। ये न केवल बालों की जड़ों को मजबूत बनाते हैं, बल्कि उन्हें चमकदार और स्वस्थ भी रखते हैं। विटामिन-ए, विटामिन-बी, विटामिन-सी, विटामिन-डी और विटामिन-ई बालों की बढ़त के लिए जरूरी हैं। इन विटामिन्स के सेवन से बालों की गुणवत्ता में सुधार होता है और वे टूटने से भी बचते हैं। आइए जानते हैं कि बालों को तेजी से बढ़ाने के लिए किन विटामिन्स का सेवन करना चाहिए।

विटामिन-ए : विटामिन-ए बालों को मजबूत बनाता है और उन्हें टूटने से बचाता है। यह सिर की त्वचा को ताजा रखता है और बालों को नमी प्रदान करता है। गाजर, पालक, कद्दू और आम जैसे खाद्य पदार्थ विटामिन-ए से भरपूर होते हैं। इनका सेवन आपके बालों की गुणवत्ता में सुधार कर सकता है। इसके अलावा आप विटामिन-ए की गोलियों का सेवन भी कर सकते हैं, लेकिन इन्हें लेने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

विटामिन-बी : विटामिन-बी बालों की बढ़त के लिए बहुत जरूरी है। यह बालों की जड़ों तक खून का संचार बढ़ाता है जिससे बाल तेजी से बढ़ते हैं। दही, हरी सब्जियां और साबुत अनाज विटामिन-बी के अच्छे स्रोत होते हैं। इसके अलावा आप केले, एवोकाडो और बादाम जैसे खाद्य पदार्थों का भी सेवन कर सकते हैं। विटामिन-बी के नियमित सेवन से बालों की गुणवत्ता में सुधार होता है और वे टूटने से भी बचते हैं।

विटामिन-सी : विटामिन-सी एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है जो बालों को मजबूत बनाता है और उन्हें टूटने से बचाता है। यह सिर की त्वचा को ताजा रखता है और बालों को नमी प्रदान करता है। संतरा, नींबू, अमरूद और स्ट्रॉबेरी जैसे फल विटामिन-सी से भरपूर होते हैं। इनका सेवन आपके बालों की गुणवत्ता में सुधार कर सकता है। इसके अलावा आप विटामिन-सी सप्लीमेंट्स का सेवन भी कर सकते हैं, लेकिन इन्हें लेने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

विटामिन-डी : विटामिन-डी बालों की जड़ों तक ऑक्सीजन पहुंचाता है जिससे वे स्वस्थ रहते हैं और तेजी से बढ़ते हैं। धूप में बैठना या विटामिन-डी की गोलियां लेना इसके लिए अच्छा होता है। दूध, संतरे का रस और मशरूम भी विटामिन-डी के अच्छे स्रोत होते हैं। इसके अलावा आप मछली के तेल का भी सेवन कर सकते हैं। विटामिन-डी के नियमित सेवन से बालों की गुणवत्ता में सुधार होता है और वे टूटने से भी बचते हैं।

विटामिन-ई : विटामिन-ई एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है जो बालों को मजबूत बनाता है और उन्हें टूटने से बचाता है। यह सिर की त्वचा को ताजा रखता है और बालों को नमी प्रदान करता है। बादाम, सूरजमुखी के बीज, पत्तेदार सब्जियां और एवोकाडो जैसे खाद्य पदार्थ विटामिन-श्व के अच्छे स्रोत होते हैं। इनका सेवन आपके बालों की गुणवत्ता में सुधार कर सकता है। इसके अलावा आप डॉक्टर की सलाह अनुसार विटामिन-ई सप्लीमेंट्स का सेवन भी कर सकते हैं।

ऊन से बनाए जा सकते हैं कई तरह के फूल, जानिए तरीका

ऊनी फूल बनाने की कला एक खूबसूरत शौक है, जो न केवल आपके घर को सजाने में मदद करता है, बल्कि आपके मन को भी खुश करता है। इन फूलों को बनाने के लिए आपको कुछ आसान तरीकों का पालन करना होगा। इस लेख में हम आपको कुछ प्रमुख ऊनी फूलों के बारे में बताएंगे, जिन्हें आप अपने घर पर आसानी से बना सकते हैं और अपने शौक को नया रूप दे सकते हैं। गुलाब के फूल बनाने के लिए सबसे पहले आपको गुलाबी या लाल रंग का ऊन चाहिए। इसे छोटे-छोटे गोलों में लपेटकर आप गुलाब की पंखुड़ियां तैयार कर सकते हैं। इन पंखुड़ियों को एक-दूसरे के ऊपर जोड़कर गुलाब का फूल बना सकते हैं।

इसके बाद हरे रंग के ऊन से तने और पत्तियां बनाकर अपने गुलाब के फूल को पूरा करें। इस तरह का फूल आपके घर की सजावट में चार चांद लगा देगा। सूरजमुखी बनाने के लिए पीले और भूरे रंग के ऊन का उपयोग किया जा सकता है। सबसे पहले पीले ऊन से बड़े गोलाकार बनाकर उसे सूरजमुखी की पंखुड़ियों का आकार दें। इसके बाद भूरे ऊन से बीच का हिस्सा बनाएं, जिसमें काले या भूरे रंग के छोटे-छोटे गोले जोड़ें। इस प्रकार आप आसानी से अपने घर के लिए एक खूबसूरत सूरजमुखी तैयार कर सकते हैं, जो आपके घर की सजावट में नयापन लाएगा। कमल का फूल बनाने के लिए गुलाबी या सफेद रंग का ऊन चाहिए। सबसे पहले बड़े गोलाकार बनाकर उन्हें पंखुड़ियों का आकार दें। इसके बाद छोटे-छोटे गोलाकार बनाकर उन्हें बीच में जोड़ें ताकि कमल का फूल तैयार हो सके। इस तरह से आप आसानी से अपने घर के लिए एक खूबसूरत कमल का फूल बना सकते हैं, जो आपके घर को एक नया रूप देगा और उसे आकर्षक बनाएगा। लिली बनाने के लिए सफेद या पीले रंग का ऊन चाहिए। सबसे पहले बड़े गोलाकार बनाकर उन्हें पंखुड़ियों का आकार दें। इसके बाद छोटे-छोटे गोलाकार बनाकर उन्हें बीच में जोड़ें ताकि लिली का फूल तैयार हो सके।

Pit dug for railway bridge in Yavatmal, Maharashtra filled with rain, 4 children drowned

Mumbai, A tragic incident has come to light in Yavatmal district of Maharashtra. Here, rain water filled a construction site of the railway, in which 4 children died by drowning. The incident took place in the Darwha railway station premises, where a railway bridge is being built under the ambitious Wardha-Yavatmal-Nanded project, for which pits have been dug. The deceased children are Rehan Khan (13), Golu Narnavre (10), Soumya Khadsan (10) and Vaibhav Bodhale (14), who were residents of Darwha. According to reports, several deep pits have been dug to build the bridge under the project, which were filled with water due to rain for the last 5 days. No barricade or enclosure was made around the construction site, due to which a group of children descended into it to bathe. The children started having trouble breathing and fell unconscious there. After this, they died by drowning. As soon as the family and local people got information about the drowning of the children, they immediately reached the spot. They took the children out of the pit. The children were immediately taken to Darwha sub-district hospital. From here they were sent to Sanjeevani Hospital in Yavatmal. Doctors in the hospital declared the children dead. Local people are angry with the railway administration. A video of taking the children out of the pit has also surfaced, which is spine-chilling.

Changes in Chief Minister Rekha Gupta's security after the attack, now there will be new arrangements in public hearing

New Delhi, Changes have been made in the security of Delhi Chief Minister Rekha Gupta after the attack on her during the public hearing on Wednesday. Chief Minister Gupta enjoys Z category security, but in her camp office (Janseva Sadan) located in Civil Lines, along with Delhi Police, Central Reserve Police Force (CRPF) personnel will also handle security. New security arrangements have also been implemented in the public hearing held every week on Wednesday. Now it will not be easy to reach Chief Minister Gupta. Under the new system, CRPF jawans will be deployed at the residence. The complaints of the complainants coming to the public hearing to be held on Wednesday from 8 to 10 am will be investigated. The complainant's profile will be checked and the complaint will be taken in advance. There will be a distance between the Chief Minister and the complainant and no one will come in direct contact with them. The complainant will also be thoroughly checked. He will be prohibited from carrying any belongings. During the public hearing on Wednesday, Rajeshbhai Khimjibhai Sakaria, a resident of Rajkot, Gujarat, met Chief Minister Gupta and suddenly attacked him. Sakaria caught the Chief Minister's hand and pulled him, due to which his head hit the table. He slapped him and also abused him. The police have taken the accused into custody for 5 days. The accused is said to be an animal lover. Delhi Police will also take the accused to Rajkot

5 schools in Delhi received bomb threats, email came for the third consecutive day

New Delhi, Delhi schools are not stopping receiving bomb threats, which is affecting the studies of children. On Thursday, for the third consecutive day, schools have been threatened through email, which includes 5 schools in Prasad Nagar and Dwarka Sector 5 and other areas. On receiving the information of the threat, Delhi Police has reached the spot with bomb squad, dog squad and fire brigade. Investigation is going on. Before 5 schools received the email on Thursday morning, about 50 schools had received bomb threats on Wednesday. All the schools informed the police, after which the schools were evacuated and many schools were closed. When the police raided with the bomb squad and dog squad, nothing suspicious was found. 48 hours before this, 32 schools were threatened on Monday. Delhi Police is not able to catch the people who are constantly threatening the schools, due to which their morale is high and they are constantly sending emails. Since January till now, 74 educational institutions, 70 schools and 4 colleges in Delhi-NCR have received bomb threats. The suspects are not sending the emails through Google but through VPN, dark websites or other means, which makes it difficult to trace them.

Account of the monsoon session: Only 37 hours of discussion in the Lok Sabha

12 bills passed from Lok Sabha and 14 from Rajya Sabha

New Delhi, Today is the last day of the monsoon session of Parliament which started on 21 July. Due to the uproar of the opposition, the proceedings of the Lok Sabha have been adjourned indefinitely today. Lok Sabha Speaker Om Birla also reprimanded the MPs for the uproar. In this session, there was a lot of controversy over SIR in Bihar, which affected the proceedings of both the houses. During the session, 12 bills were passed from the Lok Sabha and 14 from the Rajya Sabha. The Merchant Shipping Bill, Manipur GST Amendment Bill, National Sports Administration Bill, Income Tax Bill, Taxation Laws (Amendment) Bill, Indian Ports Bill, Mines and Minerals (Development and Regulation) Amendment Bill and IIM Amendment Bill were passed from the Lok Sabha. In the Rajya Sabha, 2 bills related to Manipur, Merchant Shipping Bill Bill and Representation Amendment Bill related to Goa Legislative Assembly and some other bills were passed. A bill related to online gaming was passed in the Lok Sabha. It has provisions to regulate money-based games. Apart from this, 3 bills were also introduced to remove the Chief Minister, Prime Minister and Ministers from their posts. There are provisions in these that if the Chief Minister and the Minister are kept in custody for 30 consecutive days, then they will have to resign from the post. The opposition tore the copies of these bills and threw its pieces towards Home Minister Amit Shah. Lok Sabha Speaker Om Birla said that only 37 hours of discussion could take place in the House, while 120 hours were scheduled. Also, after two adjournments, the proceedings of the Lok Sabha were adjourned indefinitely. He said that 419 questions were asked in the session, out of which 55 were answered. The Speaker also expressed displeasure over the uproar. Question Hour could not be held in both the houses of Parliament. The most uproar in the Parliament was on the issue of SIR of the Election Commission in Bihar. Regarding this, opposition MPs demonstrated in the House premises almost every day. There was also a special discussion on Operation Sindoor. After this, the opposition created a lot of ruckus on the issue of alleged vote theft. Amidst the ruckus, many important bills were passed without discussion by voice vote, partial discussion or walkout of the opposition. The monsoon session of Parliament began on 21 July and lasted till 21 August. Earlier it was to end on 12 August. During this period, 18 meetings were proposed. The beginning of the session was quite uproarious and in the first few days, the proceedings of the House were continuously adjourned. After this, senior MPs and the Speaker called an all-party meeting, in which a consensus was reached on running the Parliament smoothly.

Assam court acquits 38 former ULFA leaders in TADA case after 35 years]

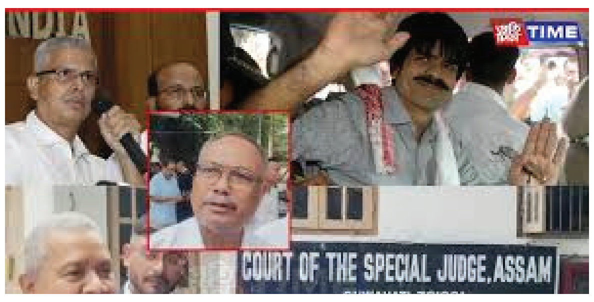

Guwahati, In a historic verdict, a special TADA (terrorist and disruptive activities) court in Guwahati acquitted 38 former leaders and members of the outlawed United Liberation Front of Assam (ULFA). These include Arabinda Rajkhowa, Anup Chetia, Shashadhar Choudhary, Pradeep Gogoi, Sunil Nath, Kalpajyoti Neog, Raju Barua, Munin Nobis and Anadar Thakuria. The case was originally registered as case number 1/1991 at Dispur police station in Assam on charges of extortion, spreading terror and other illegal activities. It was later converted into a TADA case. The trial proceedings began in 2001 and lasted for about 25 years. After this the verdict came on Wednesday. Of the 45 accused in the case, three, including ULFA (Independent) commander-in-chief Paresh Barua, are still absconding, while four others have died in the last few years. Reacting to the verdict, former ULFA general secretary Anup Chetia said, "The government could not produce valid documents, so we were acquitted. We have full faith in the justice system and today's verdict has given us great satisfaction. We are committed to serve the country and the people in a democratic way. One more TADA case is still pending, involving 11-12 of our members." Former ULFA chairman Arabinda Rajkhowa expressed gratitude and said, "Many of our comrades suffered severe financial and emotional hardships while waiting for justice. Today's verdict puts an end to that long wait and we thank the court wholeheartedly for delivering justice." The acquittal is being seen as a watershed moment in Assam's political and judicial history. It brings to an end a chapter that began more than three decades ago at the peak of ULFA militancy.

CBI arrests 6 policemen of Jammu and Kashmir on the orders of the Supreme Court

Srinagar, The CBI arrested eight people, including six policemen, in the case of alleged torture of a policeman in custody after the order of the Supreme Court last month. The arrests were made following the Supreme Court's July 21 directive taking a serious view of the cruel and inhuman torture of a police constable in Jammu and Kashmir. Officials said the arrested policemen include a deputy superintendent of police, an inspector and an assistant sub-inspector. The accused policemen have been directed to deposit their weapons and other government items in the respective district police lines. One of the accused policemen - who is a special police officer working on honorarium - has been removed from the list of Special Police Officers (SPOs). Further details are awaited, officials said. On July 21, the Supreme Court directed the CBI to register an FIR in the case of cruel and inhuman torture of a police constable in Jammu and Kashmir in custody and ordered the Union Territory administration to pay him a compensation of Rs 50 lakh. A bench of Justices Vikram Nath and Sandeep Mehta said the constable suffered injuries during illegal detention. In particular, the complete mutilation of his genitals, sprinkling of pepper powder on his genitals and electric shocks are reminiscent of the inhumane severe torture inflicted on him. The combined effect of all these facts is very shocking to the conscience of this court, the bench said. The bench further said that the violation of Article 21 is not only clear but also grave. The bench said that the constable suffered life-threatening injuries in the custody of fellow government officials and no effective redressal was provided despite repeated complaints. The CBI had registered a case against the accused on July 29. They have been charged with criminal conspiracy, attempt to murder, wrongful confinement and intentionally causing hurt with dangerous weapons. The Supreme Court had given the CBI one month to arrest the accused officers and three months to complete the investigation. The court's order came on the complaint of the victim's wife, who alleged that her husband was illegally detained and tortured for six days after being summoned in a narcotics case. He claimed that the accused officers used iron rods and wooden sticks, gave electric shocks, mutilated his genitals, and even inserted red chilli powder into his rectum.

Conversation of the accused who stabbed a student in Ahmedabad with his friend came to light, no regrets

Ahmedabad, The 8th class student who stabbed Nayan, a 10th class student in Ahmedabad, Gujarat, has no regrets about the incident. This has been revealed from his conversation. After the incident, the accused student chatted with one of his friends on mobile, in which he said that whatever has happened is over now. The accused student has also confessed to stabbing in the conversation. One of the accused's friends sent a message on mobile asking if he had done anything in school today. To this, the accused replied in the affirmative. The friend told that the boy whom he had stabbed is dead. From the conversation, it seems that the accused student did not even know the name of the 10th class student. Later, the accused would ask his friend to tell their common friend that he had stabbed him. A few days ago, there was an argument between Nayan, a class 10 student, and a class 8 student at the Seventh Day Adventist School in Khokhara, Ahmedabad. On Tuesday, the class 8 student stabbed Nayan in his pants during recess. The student died on Wednesday during treatment. After this, a ruckus has spread in Ahmedabad. The angry mob attacked and vandalized the school. The incident is being given a communal color. Politics has started in Ahmedabad after the death of the student. Vishwa Hindu Parishad and Bajrang Dal have called for a bandh in Maninagar, Kakaria, Isanpur areas on Thursday. The Indian National Student Organization is also protesting.

Brief news

Mentally challenged girl raped, killed in Ghaziabad

New Delhi/Ghaziabad, A heart-wrenching incident has come to light in Ghaziabad, adjacent to the capital Delhi. A mentally ill girl has died under suspicious circumstances. The body of the girl was found hanging from a noose. Two days ago, the girl was gang-raped. The girl was very stressed after this incident. At present, the police have taken the body into custody and sent it for post-mortem. A person living in Loni police station area had filed a report against unknown people for kidnapping and raping a mentally challenged girl. According to the family members, the victim was very mentally weak and was not even able to speak and hear properly. The girl was undergoing treatment in a Delhi hospital. The family members say that the victim had told in gestures that a wrong thing has been done to her. According to the father of the deceased, the girl suddenly left the house on 18 August 2025. On receiving information on phone from the nearby village Nithora, he immediately went to the spot and saw that the girl had injuries on her face. The girl told in gestures that she has been gang-raped. Three people were involved in it. The accused took the girl on a motorcycle towards a deserted forest. This morning the girl was found hanging in her room. The victim's father has made serious allegations against the police. The victim's father alleges that the police

Security beefed up at station and its surroundings after spy pigeon caught in Jammu and Kashmir

Srinagar, A spy pigeon has been caught in Jammu and Kashmir, with a threatening note tied to its leg. The note threatened to blow up Jammu station with an improvised explosive device (IED). After receiving the threatening note, security has been tightened at Jammu Tawi railway station located near the India-Pakistan border. An alert has also been declared at other sensitive places. Officials are investigating the pigeon's crossing the border. The pigeon was caught by Border Security Force (BSF) personnel in Khatmaria area of RS Pura sector, about 40 km from Jammu. The note was written in Urdu and English. It was written in Urdu, Kashmir is ours, the time has come, it will come, while in English it was written, IED blast at Jammu station, everything is over. It is being told that another pigeon was also caught in Jammu and Kashmir on August 18. According to reports, on August 18, the pigeon was seen by a patrol team near Forward Defense Post-69 near Kathmaria BOP under 7 Battalion of BSF. Officials say that this incident does not seem to be a credible threat but a prank from across the border. However, investigation is also going on as to where the pigeon has flown from. There is an alert in other areas along with the station. Earlier also pigeons have been sent from across the border.

Amid Trump's tariffs, S Jaishankar invites Russian companies to engage deeply

New Delhi, Amid US President Donald Trump imposing 50 percent tariffs on India, External Affairs Minister S Jaishankar has arrived in Moscow, where he stressed on increasing trade with Russia and the need for reliable partners. At the India-Russia Business Forum, Jaishankar said that the way India is moving forward rapidly, it needs reliable partners to achieve its goal. He said that new doors have opened for foreign business in India. Jaishankar said, India, with a GDP of over US $ 4 trillion and growing at a rate of 7 percent in the near future, has a clear need for large-scale resources from reliable sources. In some cases, the supply of essential products can be ensured, such as fertilizers, chemicals, machinery, etc. Its rapidly growing infrastructure provides business opportunities for enterprises that have an established track record in their country. Jaishankar further said, Make in India and other such initiatives have opened new doors for foreign businesses. India's modernization and urbanization generate their own demands due to changes in consumption and lifestyle. Each of these dimensions invites Russian companies to engage more intensively with their Indian counterparts. Our effort is to encourage them to face this challenge. Jaishankar said that India-Russia has nurtured one of the most stable relations between major countries in the present times. However, this did not automatically translate into significant economic cooperation. He said that diversification and balancing of trade now demand more effort, which is necessary to reach high trade goals and maintain the existing level. India-Russia can do a lot for each other to promote and accelerate development.